



प्रयागराज, रविवार 20 सितम्बर 2026 से 26 सितम्बर 2026 तक

वर्ष-14, अंक-38

पृष्ठ-8 मूल्य: 3 रुपये

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

हिन्दी साप्ताहिक



E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.adhuniksamachar.com

रूसी से खतरे के बीच यूरोप की 10 साल की तैयारी,लाखों सैनिकों की ट्रेनिंग, हथियारों का जखीरा बढ़ाया, युद्ध के लिए सिस्टम बदल रहा नाटो

कोपेनहेगन/वॉशिंगटन। यूक्रेन में जारी जंग के बीच यूरोप के नाटो देश अगले 10 साल में अपनी सैन्य ताकत बढ़ाने की तैयारी कर रहे हैं। नाटो ने 2035 तक रक्षा और सुरक्षा पर जीडीपी का 5फीसदी खर्च करने का लक्ष्य रखा है। इसके तहत हथियार, सैनिकों की ट्रेनिंग, सैन्य ठिकाने, बंकर, अस्पताल और साइबर सुरक्षा जैसी व्यवस्थाएं मजबूत की जाएंगी। रूस लगातार यूरोपीय देशों को चेतावनी दे रहा है। पिछले हफ्ते ब्रिक्स समिट के दौरान रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा था कि अगर यूरोपीय देश यूक्रेन में अपने सैनिक तैनात करते हैं, तो इसे रूस के साथ युद्ध माना जाएगा। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प भी यूरोपीय देशों से अपनी सुरक्षा पर ज्यादा खर्च करने की मांग करते रहे हैं। इसी बीच शुक्रवार और शनिवार को डेनमार्क की राजधानी कोपेनहेगन में नाटो के 32 सदस्य देशों के रक्षा मंत्रियों का बैठक हुई। 2035 तक जीडीपी का 5फीसदी सुरक्षा पर खर्च

होगा-नाटो देशों ने रक्षा और सुरक्षा पर खर्च बढ़ाने का फैसला किया है। 2035 तक जीडीपी का 5फीसदी इस क्षेत्र में खर्च करने तैयारी सिर्फ हथियार खरीदने तक सीमित नहीं है। अगले करीब 10 साल में सैनिकों की ट्रेनिंग, सैन्य ठिकानों और युद्ध के समय काम आने वाली जरूरी सुविधाओं पर भी खर्च बढ़ाया जाएगा। जर्मनी में पुराने मेडिकल बंकर फिर खोलने की तैयारी-जर्मनी में 1979 में बनाए गए मेडिकल बंकरों को दोबारा इस्तेमाल करने की तैयारी की जा रही है। युद्ध या बड़े हमलों की स्थिति में इनका इस्तेमाल घायलों को इलाज देते लिए किया



ट्रम्प ने 100फीसदी टैरिफ वाला बिल किया साइन, रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर शिकंजा- भारत के लिए बढ़ सकती है मुश्किल

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प अब भारत पर 100फीसदी तक टैरिफ लगा सकते हैं। ट्रम्प ने इस बिल पर साइन कर दिया है और अब यह कानून बन चुका है। अमेरिकी संसद के निचले सदन हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स ने बुधवार को रूस से ज्यादा तेल खरीदने वाले 5 देशों पर 100फीसदी तक टैरिफ लगाने वाला बिल पास किया था। पक्ष में 262 और विरोध में 159 वोट पड़े थे। सीनेट अगस्त में इसे 86-11 वोट से पास कर चुकी है। इसे आधिकारिक तौर पर लिंडसे आे ग्राहम सेंकशासिंग रशिया एंड ईरान एक्ट ऑफ 2026 नाम दिया गया है। रूस से ज्यादा कच्चा तेल खरीदने वाले 5 देशों की अमेरिकी लिस्ट में चीन, भारत, स्लोवाकिया, हंगरी और अजरबैजान शामिल हैं। भारत



आकलन करेंगे। अमेरिका की तरफ से 100फीसदी टैरिफ पर भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा था कि देश के हितों से समझौता नहीं करेंगे। बीते 2 साल में भारत का रूस से तेल आयात-यूक्रेन-रूस युद्ध शुरू होने के बाद भारत ने रूस से सस्ता कच्चा तेल खरीदना तेजी से बढ़ाया। 2022-23 में रूस भारत का सबसे बड़ा तेल सप्लायर बन

गया। युद्ध से पहले भारत रूस से बहुत कम तेल खरीदता था, लेकिन बाद में यह बढ़कर रोजाना करीब 16 से 20 लाख बैरल तक पहुंच गया। अब भारत अपनी जरूरत के 40फीसदी से ज्यादा कच्चे तेल का आयात रूस से कर रहा है। इससे भारत रूस से तेल खरीदने वाले सबसे बड़े देशों में शामिल हो गया है। रूस के अलावा भारत के लिए 9 विकल्प- रूस के अलावा, भारत मुख्य रूप से इराक, सऊदी अरब, यूएई, कुवैत और कतर से तेल खरीदता है। इसके अलावा, नाइजीरिया, अंगोला, ब्राजील और अमेरिका से भी कच्चा तेल आयात करता है। कानून का भारत पर असर-पहली स्थिति: भारत रूस से तेल खरीदता रहे-अमेरिका के 100फीसदी टैरिफ का सीधा असर भारत के निर्यात बिल पर पड़ सकता है। आगे की खबर पेज संख्या 05 पर..

ट्रम्प ने सीएनएन सहित दो और मीडिया हाउस को व्हाइट हाउस से बैन किया,कहा- ये फेक न्यूज फैलाते हैं

वॉशिंगटन डीसी। वॉशिंगटन में 18 सितंबर को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सीएनएन, एम्एस नाउ और पॉलिटिको को व्हाइट हाउस से बैन करने का ऐलान किया। उन्होंने आगे और मीडिया संस्थानों पर ऐसी पाबंदी लगाने की धमकी दी। ट्रम्प ने शुक्रवार को कहा कि इन संस्थानों की लगातार फेक न्यूज कवरेज के कारण यह रोक लगाई गई है। ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया साइट पर लिखा कि यह रोक तुरंत प्रभाव से लागू होगी। इससे पहले ट्रम्प ने फरवरी 2025 में एसोसिएटेड प्रेस (एपी) के पत्रकारों भी ऐसी ही रोक लगाई थी। तब ट्रम्प ने एपी के पत्रकारों को ओवल ऑफिस, अपने विमान एयरफोर्स वन और अन्य कार्यक्रमों में जाने से रोक दिया था। यह कार्रवाई एपी के

ग्लॉब ऑफ मेक्सिको का नाम बदलने के उनके फैसले का समर्थन डिजिटल वेबसाइट। अमेरिकी राजनीति की बड़ी खबरें और फैक्ट-चेकिंग करता है। ट्रम्प के बयानों और नीतियों पर लगातार तीखे सवाल उठाता रहा है। एम्एस नाउ- केबल टीवी न्यूज चैनल और डिजिटल मीडिया। लेफ्ट-ऑफ-सेंटर राजनीतिक डिबेट्स और ओपिनियन शो ज पर फोकस करता है। ट्रम्प प्रशासन और उनकी नीतियों का सबसे मुखर आलोचक चैनल माना जाता है। पॉलिटिको- प्रमुख डिजिटल न्यूज वेबसाइट और राजनीतिक अखबार। व्हाइट हाउस और अमेरिकी संसद की अंदरूनी खबरों और नीतियों की रिपोर्ट करता है। ट्रम्प प्रशासन के अंदरूनी फैसलों, विवादों और राजनीतियों का बारिक विश्लेषण करता रहा है। आगे की खबर पेज संख्या 05 पर..

ईरान- सरकार के बुलावे पर लाखों लोग सड़कों पर, जंग के बाद सबसे बड़ी रैली-6 लाख ने हथियार ट्रेनिंग के लिए रजिस्ट्रेशन कराया

तेहरान। ईरान में शुक्रवार को सरकार के बुलावे पर लाखों लोग सड़कों पर उतर आए। राजधानी तेहरान में हुई यह रैली युद्ध शुरू होने के बाद सरकार की सबसे बड़ी रैलियों में से एक थी। लोगों ने देश



की रक्षा के लिए हथियार उठाने और सैन्य ट्रेनिंग लेने की तैयारी जात। सरकार ने इस अभियान का नाम 'जोफाए इरान' रखा है। इसका मतलब है- ईरान के लिए जान तक देने को तैयार लोग। सरकारी अधिकारियों के मुताबिक, 6 लाख से ज्यादा लोग अब तक सैन्य ट्रेनिंग के लिए रजिस्ट्रेशन करा चुके हैं। रिवोल्यूशनरी गार्ड के प्रमुख ने दावा किया कि ट्रेनिंग लेने वालों की संख्या 10 लाख से ज्यादा हो सकती है। तेहरान में 3 लाख से ज्यादा लोग जुटे- सरकारी प्रसारक के मुताबिक, शुक्रवार सुबह तेहरान की सड़कों पर 3 लाख से ज्यादा लोग मौजूद थे। कई लोग सैन्य वर्दी में थे और हाथों में ईरान के झंडे लिए हुए थे। सरकार की योजना इन लोगों को असॉल्ट राइफल चलाने समेत सीमित सैन्य ट्रेनिंग देने की है। इसके बाद इन्हें देश की सुरक्षा में मदद के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। इन लोगों को देश की सुरक्षा में मदद करने के लिए तैयार किया जा रहा है। ये रिवोल्यूशनरी गार्ड और बीसी मिलिशिया इरान की एक सरकार समर्थक अर्धसैनिक संगठन है। इसका इस्तेमाल सरकार

ट्रम्प ने डेनमार्क से ग्रीनलैंड को लेकर करि डील, आजादी के बाद भी अमेरिकी सेना वही रहेगी-रूस-चीन नहीं बना सकेंगे सैन्य अड्डा

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने डेनमार्क और ग्रीनलैंड के साथ एक समझौता किया है। इसके तहत ग्रीनलैंड में अमेरिकी सेना की मौजूदगी बढ़ेगी और रूस-चीन जैसे गैर-नाटो देशों को वहां सैन्य अड्डा बनाने की अनुमति नहीं होगी। यह समझौता ग्रीनलैंड के भविष्य में आजाद होने की स्थिति में भी लागू रहेगा। कुछ देर बाद डेनमार्क के प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा कि समझौते से डेनमार्क और ग्रीनलैंड की संप्रभुता बरकरार रहेगी। ग्रीनलैंड अभी डेनमार्क के अधीन एक स्वशासित क्षेत्र है। समझौते की पूरी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। अगले हफ्ते संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान अमेरिका, डेनमार्क और ग्रीनलैंड की सरकारें इस पर हस्ताक्षर करेंगी। इसे लागू करने से पहले डेनमार्क और ग्रीनलैंड की संसदों की मंजूरी जरूरी होगी। ग्रीनलैंड में दूसरे देशों की सैन्य मौजूदगी पर रोक-ट्रम्प के मुताबिक, समझौते के तहत अमेरिका के विरोधी देश ग्रीनलैंड में सैन्य अड्डा नहीं बना सकेंगे। ग्रीनलैंड के संवेदनशील

शीत युद्ध के दौरान अमेरिका के ग्रीनलैंड में एक दर्जन से ज्यादा सैन्य ठिकाने थे। बाद में इनमें से ज्यादातर बंद कर दिए गए। फिलहाल वहां अमेरिका का पिटुफिक स्पेस बेस मौजूद है। हाल के हफ्तों में अमेरिकी सैन्य अधिकारियों ने ग्रीनलैंड का दौरा कर पुराने सैन्य ठिकानों को दोबारा खोलने की संभावनाएं भी देखी हैं। 1951 से ग्रीनलैंड में अमेरिकी सेना की मौजूदगी-ग्रीनलैंड में अमेरिका की सैन्य मौजूदगी नई नहीं है। दूसरे विश्व युद्ध के दौरान अमेरिका ने पहली बार यहां सैन्य मौजूदगी बनाई थी। 1951 में अमेरिका और डेनमार्क के बीच एक रक्षा समझौता हुआ। इसके तहत अमेरिका को ग्रीनलैंड में सैन्य ठिकाने चलाने और अपनी सेना की गतिविधियां करने की काफी आजादी मिली। इस समझौते में नाटो देशों की सेनाओं को भी ग्रीनलैंड में पहुंच की अनुमति थी। हालांकि, रूस या चीन जैसे देशों की सैन्य मौजूदगी पर साफ रोक नहीं थी। अब नए समझौते में गैर-नाटो देशों के सैन्य अड्डे और सैन्य

पाकिस्तान के बाद बांग्लादेश में भी तुर्किये की ड्रोन यूनिट,भारत की सीमा से सिर्फ 75किमी रेडियस में, देश की सुरक्षा को दोनों तरफ से चुनौती

ढाका। पाकिस्तान के बाद अब तुर्किये बांग्लादेश में भी अपनी रक्षा तकनीक का दायरा बढ़ा रहा है। दोनों देश मिलकर ड्रोन बनाने की तैयारी कर रहे हैं। इसके लिए

तुर्किये ने अपनी ड्रोन तकनीक कई देशों को दी है। बांग्लादेश के साथ भी पिछले कुछ समय से ड्रोन तकनीक को लेकर सहयोग बढ़ा है। द डिफेंस टोडे ने जून 2026



बोगुरा में ड्रोन बनाने की फैक्ट्री लगाई जाएगी। इस फैक्ट्री पर करीब 25 हजार करोड़ रुपए खर्च होने की बात कही गई है। तुर्किये बांग्लादेश को ड्रोन बनाने की तकनीक भी देगा। बोगुरा भारत की सीमा से करीब 75 किलोमीटर दूर है। फैक्ट्री के पास एयरफोर्स का नया एयरबेस भी बनेगा- बोगुरा बांग्लादेश के उत्तरी हिस्से में है। जिस इलाके में ड्रोन फैक्ट्री बनाने की योजना है, उसके पास ही बांग्लादेश एयरफोर्स का नया एयरबेस भी बनाया जा रहा है। इसके अलावा बोगुरा एयरपोर्ट को भी अंतरराष्ट्रीय मानकों के मुताबिक विकसित करने की योजना है। भारत के लिए यह इलाका इसलिए अहम है क्योंकि भारत और बांग्लादेश के बीच करीब 4,096 किलोमीटर लंबी सीमा है। एक्सपर्ट बोलें- भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में खतरा बढ़ेगा-एक्सपर्ट और आईबी के एक्स जॉइंट डायरेक्टर अविनाश मोहनानी के मुताबिक, भारत की किसी भी पड़ोसी देश के साथ सबसे लंबी सीमा बांग्लादेश से लगती है। इसकी लंबाई करीब 4 हजार किलोमीटर है। दुनिया के दो देशों के बीच मौजूद लंबी जमीन वाली सीमाओं में यह 5वीं सबसे लंबी सीमा मानी जाती है। मोहनानी के मुताबिक, बांग्लादेश और तुर्किये के बीच बढ़ता रक्षा सहयोग भारत के पूर्वोत्तर राज्यों के लिए चिंता बढ़ा सकता है। बांग्लादेश भारत से लगी सीमा पर ड्रोन तैनात करने की योजना भी बना रहा है। इसके अलावा वह सऊदी अरब, तुर्किये और इरान दिखाने के बीच हुए मक्का रक्षा करार में भी शामिल होना चाहता है। इसमें पाकिस्तान मध्यस्थ की भूमिका निभा रहा है। तुर्किये ने ड्रोन तकनीक को कई देशों तक पहुंचाया-तुर्किये दुनिया में अपने सैन्य ड्रोन के लिए एजेंडे को बढ़ावा देने के दावे किए जा रहे हैं।

ड्रोन सेंटरों को लेकर कट्टरपंथी छात्र संगठन शिबिर और जमात-ए-इस्लामी के साथ संबंध होने और भारत विरोधी एजेंडे को बढ़ावा देने के दावे किए जा रहे हैं।

ड्राका में यू.नूस एम्मे इस्टीट्यूट और एक अलग तुर्की कार्यक्रम सेंटर बनाने की भी तैयारी चल रही है। तुर्किये सरकार के तुर्किये स्कॉलरशिप कार्यक्रम के तहत इस साल बांग्लादेश के 3 हजार छात्रों को तुर्किये में उच्च शिक्षा के लिए भेजे जाने की बात कही गई है।

पाक में फिदायीन हमले में अब तक 31 की मौत,विस्फोटक से भरी गाड़ी मस्जिद से टकराई थी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा के कोहाट में मस्जिद के पास पुलिस परिसर पर हुए आत्मघाती हमले में मरने वालों की संख्या 31 हो गई है। मृतकों में 16 पुलिसकर्मी शामिल हैं। हमले में 100 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं, जिनमें कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। हमला शुक्रवार दोपहर हुआ। उस समय पुलिसकर्मी और उनके परिवार के लोग मस्जिद में नमाज पढ़ रहे थे। आत्मघाती हमलावर विस्फोटकों से भरी कार लेकर पहुंचे थे और कार मस्जिद की दीवार से टकराकर धमाका कर दिया था। पुलिस और हमलावरों के बीच गोलीबारी हुई- एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के मुताबिक, कुछ हमलावर अभी भी परिसर की स्पेशल ब्रांच की इमारत में छिपे हुए हैं। पुलिस और उनके बीच रात में गोलीबारी भी हुई। फिलहाल यह नहीं बताया गया कि कितने हमलावरों ने हमला किया था। शुक्रवार को 6 आतंकियों के मारे जाने की जानकारी सामने आई थी। धमाके से मस्जिद और दूसरी

गाई थी और कुछ लोग मलबे में दब गए थे। घटनास्थल से सामने आई तस्वीरों में बड़ी संख्या में ईट-पत्थर और टूटी हुई दीवारें दिखाई दीं। पुलिस मुख्यालय में कई अहम

डिपार्टमेंट (सीटीडी), स्पेशल ब्रांच और पुलिस की दूसरी इकाइयों के दफ्तर हैं। यही वजह है कि हमलावरों ने पुलिस परिसर को निशाना बनाया। हमले की



विभागों के दफ्तर-जहां हमला हुआ वह कोई सामान्य पुलिस चौकी नहीं थी। कोहाट का ओल्ड पुलिस जमिंदारी लेने का दावा किया है। यह संगठन हाफिज गुल बहादुर से जुड़े गुट के नेतृत्व वाला बताया जा रहा है। शुरुआती रिपोर्टों में एक अन्य संगठन की ओर से भी जमिंदारी लेने का दावा सामने आया था। इसलिए हमले के इमारतों को नुकसान पहुंचा- तेज धमाके से मस्जिद और परिसर की दूसरी इमारतों को काफी नुकसान पहुंचा है। मस्जिद की दीवारें गिर

लाईस परिसर जिला स्तर का बड़ा पुलिस मुख्यालय है। यहां आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई करने वाला काउंटर टेररिज्म

पिछे किस गुट की भूमिका थी, इसे लेकर अभी अलग-अलग दावे हैं। जिसकी वजह से 558 मौतें हुई थीं, जो 2023 के मुकाबले 91फीसदी ज्यादा हैं।

अफगानिस्तान से सक्रिय आतंकियों को जिम्मेदार ठहारा है। हालांकि, अफगान की तालिबान सरकार इन आरोपों से इनकार करती रही है। पाकिस्तान में इस साल 990 आतंकी हमले हुए- पाकिस्तान में इस साल आतंकी घटनाओं में तेजी आई है। पाकिस्तान इस्टीमेटेड फॉर कॉन्फ्लिक्ट एंड सिक्योरिटी स्टडीज के मुताबिक, जनवरी से अगस्त 2026 तक पूरे पाकिस्तान में 990 मिलिट्री हमले दर्ज किए गए। इनमें 1126 लोगों की जान चली गई। अगस्त में सबसे ज्यादा 199, जबकि जुलाई में 144 हमले दर्ज किए गए थे। यानी एक महीने में 38फीसदी बढ़ोतरी। इनमें अगस्त में 158 लोगों की मौत हुई, जबकि जुलाई में हमलों से जुड़ी 268 मौतें दर्ज की गई थीं। ग्लोबल टेररिज्म इंडेक्स में पाकिस्तान दूसरे नंबर पर-ग्लोबल टेररिज्म इंडेक्स 2025 के मुताबिक, बुर्किना फासो के बाद पाकिस्तान दुनिया का दूसरा सबसे आतंक प्रभावित देश बन चुका है, जबकि 2024 में यह चौथे स्थान पर था। 2025 में टीटीपी के हमले 90फीसदी बढ़े, जबकि बलूच आर्मी (बीएएल) के हमलों में 60फीसदी बढ़ोतरी हुई। इस्लामिक स्टेट-खुरासान (आईएस-के) ने अब पाकिस्तानी शहरों को भी निशाना बनाना शुरू कर दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान सबसे ज्यादा आतंक प्रभावित इलाके हैं। देशभर की कुल आतंकी घटनाओं में से 90फीसदी इसी इलाके में हुई। रिपोर्ट में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान को लगातार दूसरे साल पाकिस्तान का सबसे खतरनाक आतंकवादी संगठन बताया गया। 2024 में इस ग्रुप ने 482 हमले किए, जिसकी वजह से 558 मौतें हुई थीं, जो 2023 के मुकाबले 91फीसदी ज्यादा हैं।

स्वच्छता ही सेवा अभियान में गुंजी ‘स्वच्छ रेल,स्वच्छ भारत’ की आवाज!

डीआरएम ने दिलाई स्वच्छता की शपथ, जागरूकता रैली को दिखाई हरी झंडी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) लखनऊ। रेलवे बोर्ड के निर्देश पर पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल में 17 सितंबर से दो अक्टूबर तक

‘स्वच्छता ही सेवा-2026’ अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत गुरुवार को कोचिंग डिपो, ऐशाबाग में स्वच्छता को लेकर विशेष हायर हाउस आयोजित किया गया। मंडल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल, अपर

मंडल रेल प्रबंधक (इंफ्रा) भुवनेश सिंह, अपर मंडल रेल प्रबंधक (परिचालन) नीतू सहित शाखाधिकारियों और कर्मचारियों ने स्वच्छता की शपथ ली। इसके बाद मंडल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल ने स्वच्छता जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली के दौरान कर्मचारियों ने ‘स्वच्छ रेल, स्वच्छ भारत’ का संदेश देते हुए लोगों को रेलवे स्टेशनों, ट्रैक, यार्ड और डिपो

परिसर में साफ-सफाई बनाए रखने के लिए जागरूक किया। अभियान का उद्देश्य स्वच्छता के साथ आधुनिक कचरा प्रबंधन को बढ़ावा

युनिट और रेलवे कॉलोनिजों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। रेलवे परिसरों के साथ ही आमजन को भी स्वच्छता के प्रति



जागरूक किया गया। रेलकर्मियों ने स्वच्छता रैलियां निकालकर लोगों से सार्वजनिक स्थानों पर कूड़ा न फेंकने की अपील की। साथ ही घरों में चार-बिन कचरा प्रबंधन प्रणाली अपनाने के लिए लोगों को प्रेरित किया गया, ताकि गीले और सूखे सहित अलग-अलग प्रकार के कचरे का

देना और सिंगल यूज प्लास्टिक के इस्तेमाल को समाप्त करने के लिए जनभागीदारी सुनिश्चित करना है। इसी क्रम में डीआरएम ने गомतीनगर कोचिंग डिपो और ऐशाबाग डिपो में आयोजित विश्वकर्मा पूजा में भी भाग लिया। वहीं स्वच्छता अभियान के तहत लखनऊ मंडल के विभिन्न रेलवे स्टेशनों, ऐशाबाग व गोरखपुर अनुरक्षण कोचिंग डिपो, मंडल चिकित्सालय, हेल्थ क्लिनिक, हेल्थ

उचित प्रबंधन किया जा सके। रेल प्रशासन ने अभियान के माध्यम से स्वच्छता को केवल रेलवे परिसर तक सीमित न रखकर इसे जनभागीदारी से व्यापक अभियान बनाने पर जोर दिया। जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु राव ने बताया कि ‘स्वच्छता ही सेवा-2026’ अभियान के तहत पूरे मंडल में विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से रेलकर्मियों और आमजन को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

ऐशाबाग स्टेडियम में रेलवे पीईटी की परीक्षा के लिये डीआरएम ने परखी व्यवस्थाएं

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) लखनऊ। पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल में लेवल-1 पदों पर भर्ती के लिए शारीरिक दक्षता परीक्षण (पेट)



का आयोजन ऐशाबाग स्थित रेलवे स्टेडियम में किया जा रहा है। CEN 08/2026 के तहत 15 सितंबर से शुरू हुआ पेट 19 सितंबर तक चलेगा। गुरुवार को मंडल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल ने ऐशाबाग रेलवे स्टेडियम पहुंचकर परीक्षा स्थल का निरीक्षण किया और अभ्यर्थियों की सुविधाओं से जुड़ी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों के स्टेडियम पहुंचने को देखते हुए डीआरएम ने

सुरक्षा व्यवस्था, यातायात नियंत्रण, प्रवेश एवं निकास की व्यवस्था, पेयजल, चिकित्सा सुविधा, बैठने की व्यवस्था सहित

और समन्वय के लिए रेलवे भर्ती सेल (आरआरसी) के चेयरमैन वी. के. द्विवेदी एवं उनकी टीम भी मौके पर मौजूद रहकर व्यवस्थाओं

अन्य प्रशासनिक इंतजामों को बारीकी से परखा। उन्होंने पेट को पारदर्शी, व्यवस्थित और सुचारु ढंग से संपन्न कराने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। पेट की समस्त व्यवस्थाओं का संचालन वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी लखनऊ राजेश कुमार गुप्ता और मंडल कार्मिक अधिकारी एस.एन. उरांव की देखरेख में किया जा रहा है। वहीं परीक्षा प्रक्रिया की निगरानी

भी मॉनिटरिंग कर रही है। रेलवे भर्ती प्रक्रिया के तहत पेट में निर्धारित मानकों पर सफल अभ्यर्थी अगले चरण के लिए पात्र होंगे। सफल अभ्यर्थियों को दस्तावेज सत्यापन और मेडिकल परीक्षण की प्रक्रिया से गुजरना होगा। परीक्षा स्थल पर अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए रेलवे प्रशासन की ओर से आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। यह जानकारी जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु राव ने दी।

प्रयागराज: पुश्तैनी जमीन के पास आबादी की जमीन पर अवैध कब्जे और दबंगई का आरोप, पीड़ित परिवार ने प्रशासन से लगाई सुरक्षा की गुहार

(आधुनिक समाचार सीतापुर) प्रयागराज। प्रयागराज के हंडिया तहसील अंतर्गत सराय ममरज धाना क्षेत्र के बाबूपुर बेलहा निवासी एक परिवार ने अपनी

कि उनके भतीजे के साथ बीच चौराहे पर मारपीट कर मोबाइल भी छीन लिया गया था। चंद्र कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि उन्होंने इस मामले की शिकायत स्थानीय थाने



पुश्तैनी जमीन के पास आबादी के जमीन पर अवैध कब्जे और दबंगों द्वारा दी जा रही जान से मारने की धमकियों का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़ित चंद्र कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि दिसंबर 2022 से उनकी पैतृक भूमि के बगल में आज्ञा बाबाओं के जमाने से काबिज आबादी की जमीन को लेकर विवाद चल रहा है, जिसे लेकर विपक्षियों द्वारा लगातार दबाव बनाया जा रहा है। पीड़ित के अनुसार, विपक्षी पक्ष किसान यूनियन से जुड़े होने की धांस दिखाकर जमीन पर जबर्न कड़े और उपले एवं जानवर बांधकर कब्जा करने का प्रयास कर रहा है। विरोध करने पर गाली-गलौज करने, रास्ते में रोककर मारपीट करने और फर्जी एससी-एसटी मुकदमे में फंसाने की धमकियां दी जा रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया

से लेकर तहसील दिवस और जिलाधिकारी तक की है। एसडीएम और डीएम स्तर से पैमाइश व निस्तारण के लिए संयुक्त टीम गठित करने के निर्देश भी जारी हुए, लेकिन जमीनी स्तर पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। लेखपाल द्वारा केवल खानापूर्ति की गई, जिससे विपक्षियों के हांसले बूढ़द हैं। पीड़ित ने बताया कि विपक्षियों ने निर्माण सामग्री (ईट, सीमेंट, बालू) गिरा ली है और वे जल्द ही पक्का निर्माण कर कब्जा करने की फिराक में हैं। पीड़ित पक्ष का कहना है कि उन्होंने मुख्यमंत्री पोर्टल (आईजीआरएस) पर भी शिकायत दर्ज कराई है, मगर अब तक सिर्फ आश्वासन ही मिला है। परिवार ने जान-माल का खतरा जताते हुए उच्चाधिकारियों और मुख्यमंत्री से मामले में तत्काल हस्तक्षेप कर न्याय दिलाने की मांग की है।

कम्पोजिट विद्यालय शिवगढ़ में तिथि भोज उत्सव सम्मन, तिथि भोज में दिखी आत्मीयता और अपनापन, अतिथियों ने बच्चों के साथ बैठकर किया भोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका के मार्गदर्शन, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल सिंह के निर्देशन एवं खंड शिक्षा अधिकारी ऋचा सिंह के नेतृत्व में शुक्रवार को कम्पोजिट विद्यालय शिवगढ़ में तिथि भोज उत्सव का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय के प्रधानाचार्य राजेंद्र कुमार बाजपेई के नेतृत्व में हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कुंवर रानी श्रद्धा सिंह तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में खंड शिक्षा अधिकारी ऋचा सिंह

मौजूद रहीं। विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं स्टाफ ने अतिथियों का बुके भेंटकर एवं



प्रतीक चिह्न देकर स्वागत किया। तिथि भोज उत्सव के दौरान अतिथियों ने बच्चों के साथ पंक्ति में बैठकर भोजन किया।

कुंवर रानी श्रद्धा सिंह, खाद्य सुरक्षा अधिकारी शोफाली रस्तोगी, खंड शिक्षा अधिकारी ऋचा सिंह, सभासद ममता वर्मा सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं ने बच्चों के साथ

डीएम की अध्यक्षता में विद्यालय प्रबंध समिति की बैठक सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। गुरुवार को जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका की अध्यक्षता में पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय रायबरेली के पुस्तकालय में विद्यालय प्रबंध समिति की बैठक



सम्पन्न हुई। इससे पूर्व जिलाधिकारी ने नवनिर्मित वोकेशनल लैब का उद्घाटन कर समिति के सदस्यों के साथ लैब भ्रमण किया। जिलाधिकारी ने लैब में उपलब्ध विभिन्न उपकरणों की जानकारी शिक्षक आशुतोष मिश्र एवं अनुराग यादव से प्राप्त की तथा तकनीकी क्षेत्र में विद्यालय द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। बैठक में प्राचार्य संजय कुमार श्रीवास्तव ने सभी अतिथियों एवं समिति के सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया।

गया, जिसे समिति के सदस्यों ने सर्वसम्मति से अनुमोदित किया। जिलाधिकारी ने प्रस्तावित कार्यों एवं बजट पर विस्तृत चर्चा करते हुए आवश्यक सुझाव दिए।

समिति के सदस्यों के अभिमत के उपरांत बैठक में रखे गए विभिन्न प्रस्तावों को भी अनुमोदन प्रदान किया गया। बैठक के अंत में प्राचार्य संजय कुमार श्रीवास्तव ने सभी अतिथियों एवं समिति के सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया।

विद्यालय परिवार की ओर से जिलाधिकारी/विद्यालय प्रबंध समिति की अध्यक्ष को प्रतीक स्वरूप स्मृति चिह्न भेंट किया गया। बैठक में नामित अध्यक्ष एवं अपर जिलाधिकारी (वि०/रा०) सहदेव कुमार मिश्र सहित समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

गुरु गोविन्द सिंह राष्ट्रीय एकता पुरस्कार के लिए 30 सितम्बर तक उपलब्ध करें प्रस्ताव/आवेदन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका ने बताया है कि शासन द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए गुरु गोविन्द सिंह जी के जन्म दिवस पर



पुरस्कार दिये जाने हेतु जनपद के पात्र व्यक्तियों के आवेदन/प्रस्ताव 30 सितम्बर 2026 तक चार प्रतियों में उपलब्ध कराने के निर्देश दिये गये हैं। शासन द्वारा पूर्व में परिचालित किये गये मार्गदर्शी सिद्धान्त के अनुसार पुरस्कार प्राप्त करने की अहताए निर्धारित की गई हैं जिसमें भारत का मूल नागरिक हो। उत्तर प्रदेश राज्य की सीमा के भीतर पुरस्कार पर विचार किये जाने के वर्ष में सामान्यतया निवास करता रहा हो। मानवाधिकार, सामाजिक न्याय व राष्ट्रीय एकीकरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान रहा हो। गुरु गोविन्द सिंह राष्ट्रीय एकता पुरस्कार योजना के अधीन पूर्व में इस राज्य सरकार द्वारा पुरस्कृत न दिया जा चुका हो। उन्होंने कहा कि प्रदेश में निवासरत व्यक्तियों में से कोई एक व्यक्ति, जिसने मानवाधिकारों की रक्षा, सामाजिक न्याय एवं राष्ट्रीय एकीकरण क्षेत्र में

सर्वोत्कृष्ट कार्य किया हो तथा इस हेतु पूर्णतः समर्पित रहे हो, को सार्वजनिक रूप से सम्मानित करने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार द्वारा गुरु गोविन्द सिंह जी के जन्म दिवस पर पुरस्कार प्रदान किया जाता है जिसके अन्तर्गत चयनित व्यक्ति को एक लाख रुपये का नगद पुरस्कार तथा प्रशस्ति-पत्र दिये जाने की व्यवस्था है। जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक की संयुक्त आख्या में व्यापक जांच कर तथ्यात्मक विवरण अभिलेखीय साक्ष्यों सहित यह भी प्रमाण-पत्र अंकित किया जाये कि उनके विरुद्ध कोई अपराधिक मामला प्रचलित/लंबित नहीं है और किसी भी अपराधिक मामले में किसी न्यायालय द्वारा उन्हें दण्डित नहीं किया गया है। महत्वपूर्ण कानूनी आदि अभिलेखीय साक्ष्यों को 30 सितम्बर 2026 के पूर्व चार प्रतियों में उपलब्ध कराये। गुरु गोविन्द सिंह राष्ट्रीय एकता पुरस्कार हेतु पात्र महानुभावों के नामांकन तत्काल निर्धारित प्राप्ति में सबन्धित जिला सूचना कार्यालय रायबरेली को उपलब्ध करावा दी जाये।

सूचना पत्र

में दुर्गेश यादव पुत्र श्री भाई राम यादव निवासी सरंगापुर दांडपुर प्रयागराज. अवगत कराना चाहता हूँ कि दिनांक 15 जुलाई 2026 को मेरी 10वीं की मार्कशीट व आइडेंटिटी कार्ड न. (627342460950) भंडारा चौराहा से मामा भांजा का तालाब नैनी प्रयागराज के बीच गुम गया। अतः जिस सज्जन को मिले मुझे दिए गए न. पर सूचित करें।

दुर्गेश यादव 8840061084

भोजन कर उनमें अपनत्व, समानता और भाईचारे का भाव जगाया।

बच्चों एवं अतिथियों को पौष्टिक भोजन के साथ फल, खीर सहित विभिन्न विशेष व्यंजन परोसे गए।

भोजन के दौरान अतिथियों ने बच्चों से संवाद कर उनकी पढ़ाई, रुचियों और विद्यालयी गतिविधियों के बारे में जानकारी ली।

उन्होंने बच्चों को मन लगाकर पढ़ाई करने तथा अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया।

तिथि भोज उत्सव के दौरान विद्यालय का वातावरण उत्साह, उमंग और आत्मीयता से सराबोर

रहा। कार्यक्रम ने बच्चों और अतिथियों के बीच अपनत्व एवं समानता का संदेश दिया।

इस अवसर पर शिक्षक धर्मेन्द्र कुमार अवस्थी, एआरपी विनय मिश्रा, पंकज वर्मा,

शिखा बाजपेयी, कल्पना सोलंकी, नीलम यादव, रीता झा, अंजुलता, इमरान खान, संगीता यादव, कमर जहां, राजेश श्रीवास्तव, प्रिया सिंह, मोहिनी त्रिपाठी,

राजेश सैनी, प्रधान सघ अध्यक्ष पवन सिंह, नरेंद्र सिंह, शालू गुप्ता,

सुत्तन सिंह, उमेश यादव सहित विद्यालय स्टाफ एवं अन्य लोग उपस्थित रहे।

जनपद सीतापुर सेवा संकल्प अभियान (17 सितंबर - 17 अक्टूबर 2026) का हुआ भव्य शुभारंभ

‘सेवा, समर्पण और संकल्प – मिलकर बनाएं विकसित भारत’ के संदेश के साथ जन-सेवा एवं सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई गई

(आधुनिक समाचार सीतापुर) सीतापुर। जनपद सीतापुर स्थित जी0आई0सी0 (राजकीय इंटर कॉलेज) मैदान में ‘सेवा संकल्प अभियान’ का भव्य शुभारंभ अत्यंत गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। यह अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक संचालित किया जाएगा। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जेल एवं कारागार मैत्री श्री सुरेश राही, मा0 विधायक से0उता श्री ज्ञान निवासी, जिलाधिकारी सीतापुर महोदय डॉ0 राजागणपति आर एवं पुलिस अधीक्षक सीतापुर श्री अंकुर अग्रवाल महोदय द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर जनपद के विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी, पुलिस प्रशासन के अधिकारीगण एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। ‘सेवा, समर्पण और संकल्प’ के मूल मंत्र पर आधारित इस अभियान का मुख्य उद्देश्य जन-कल्याण, पारदर्शी प्रशासन, त्वरित न्याय तथा सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ कर ‘विकसित भारत’ के सपने को

साकार करना है। कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधीक्षक सीतापुर श्री अंकुर अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि पुलिस प्रशासन आम

के समस्त धातों एवं पुलिस इकाइयों द्वारा नागरिक केंद्रित सुविधाओं, त्वरित जनसुनवाई और सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रमों को

शहरी क्षेत्रों में विशेष जन-चौपालों का आयोजन किया जाएगा। इसमें महिलाओं, बालिकाओं एवं विरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा के लिए



जनमानस की सुरक्षा, सहायता और न्याय प्रक्रिया को सुलभ बनाने के लिए सदैव तत्पर है। उन्होंने बताया कि इस एक माह तक चलने वाले अभियान के अंतर्गत जनपद

प्राथमिकता के आधार पर संचालित किया जाएगा। ‘पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा यह भी रेखांकित किया कि अभियान की अवधि में जनपद के ग्रामीण व

प्रशासन के आपसी विश्वास से जनपद सीतापुर को कानून व्यवस्था एवं जन-सेवा के क्षेत्र में एक आदर्श मॉडल के रूप में स्थापित किया जाएगा।’

अखिल भारतीय अधीनस्थ न्यायालय कर्मचारी संघ ने कैंबिनेट सचिव को पत्रक भेजा, संविधान के अनुच्छेद 235 के तहत जिला न्यायालय कर्मचारियों को केंद्रीय कर्मचारी घोषित किए जाने की उठाई मांग

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। अखिल भारतीय अधीनस्थ न्यायालय कर्मचारी संघ (AISCSA) के राष्ट्रीय महासचिव संजय सुरीनिया ने वृहत्सचिव को कैंबिनेट सचिव भारत सरकार को पत्रक भेजकर संविधान के अनुच्छेद 235 के तहत जिला न्यायालय के कर्मचारियों को केंद्रीय कर्मचारी घोषित किए जाने की मांग उठाई है। उन्होंने अवगत कराया है कि यह संघ पूरे भारत के 5 लाख से अधिक जिला एवं अधीनस्थ न्यायालय कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करता है। संविधान के अनुच्छेद 235 के अनुसार जिला न्यायालयों और उनसे अधीनस्थ न्यायालयों पर नियंत्रण विशेष रूप से उच्च न्यायालय में निहित है, न कि राज्य सरकार में। इसके बावजूद, जिला न्यायालय के कर्मचारियों को वेतन, भत्ते, पेंशन और सेवा शर्तों के लिए राज्य सरकार का कर्मचारी माना जाता है, जबकि सुप्रीम कोर्ट के कर्मचारी केंद्र सरकार के कर्मचारी हैं और हाई कोर्ट के कर्मचारियों को केंद्र सरकार के समान वेतन मिलता है। यह एक अजीब स्थिति है जहाँ



राज्य सरकार (कार्यपालिका) का है - जो शक्तियों के पृथक्करण और न्यायपालिका की स्वतंत्रता के सिद्धांत के विरुद्ध है। उन्होंने यह भी अवगत कराया है कि जहाँ

न्यायालय के कर्मचारी अनुच्छेद 50 के तहत संघ के संरम्भ न्यायिक कार्यों का निर्वहन करते हैं, न कि केवल न्यायपालिका के लिए भी इसी तरह की केंद्रीय प्रायोजित योजना बनाई जा सकती है। उन्होंने यह मांग किया है कि जिला एवं अधीनस्थ न्यायालयों में कार्यरत समस्त तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को वेतन, भत्ते और सेवा शर्तों के प्रयोजन हेतु केंद्रीय सरकारी कर्मचारी / माननीय उच्च न्यायालय के प्रशासनिक नियंत्रणधीन डीम्ड केंद्रीय सरकारी कर्मचारी घोषित किया जाए, और उन्हें हाई कोर्ट / सुप्रीम कोर्ट के कर्मचारियों की भांति 7वें केंद्रीय वेतन आयोग (और भविष्य के सीपीसी), सीजीएचएन, केंद्रीय सरकारी आवास और पेंशन नियमों का लाभ दिया जाए।

हैं। उनकी सहायता करने वाले कर्मचारियों का वेतनमान भी एक समान केंद्रीय होना चाहिए। जिला न्यायालय के रीडर / स्ट्रेनो / लिपिक का कार्य हाई कोर्ट के असिस्टेंट / यूडीसी के समान है, फिर भी वेतन में 30-40फीसदी का अंतर है। भारत सरकार पहले से ही सुप्रीम कोर्ट का खर्च वहन करती है और हाई कोर्ट को अनुदान देती है। जिला न्यायपालिका के लिए भी इसी तरह की केंद्रीय प्रायोजित योजना बनाई जा सकती है।

उन्होंने यह मांग किया है कि जिला एवं अधीनस्थ न्यायालयों में कार्यरत समस्त तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को वेतन, भत्ते और सेवा शर्तों के प्रयोजन हेतु केंद्रीय सरकारी कर्मचारी / माननीय उच्च न्यायालय के प्रशासनिक नियंत्रणधीन डीम्ड केंद्रीय सरकारी कर्मचारी घोषित किया जाए, और उन्हें हाई कोर्ट / सुप्रीम कोर्ट के कर्मचारियों की भांति 7वें केंद्रीय वेतन आयोग (और भविष्य के सीपीसी), सीजीएचएन, केंद्रीय सरकारी आवास और पेंशन नियमों का लाभ दिया जाए।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत 175 जोड़ों का विवाह सकुशल संपन्न, विधायक सदर व सीडीओ ने आयोजन में शामिल होकर नव वैवाहिक जोड़े को दिया आशीर्वाद

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अन्तर्गत विकास खण्ड अमावां के राणा बेनी माधव सिंह मैदान में कार्यक्रम का आयोजन किया गया, इस भव्य आयोजन का शुभारंभ मा0 विधायक सदर अदिति सिंह व मुख्य विकास अधिकारी अंजुलता द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इससे पूर्व जिला समाज कल्याण अधिकारी आर०वी० सिंह द्वारा अतिथियों को पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया। इसके पश्चात पुरोहितां ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच सभी जोड़ों को सात परे लटिकाएँ और विवाह की पूरी रस्में निभाईं। इस सामूहिक विवाह समारोह में जिले के विभिन्न विकास खण्डों के 175 जोड़ों ने भाग लिया, जिसमें विकास खण्ड अमावां 77, राही 73 एवं न०पा०परि० रायबरेली

25 जोड़े सम्मिलित रहे। सामूहिक विवाह में मा० विधायक सदर व मुख्य विकास अधिकारी ने नव



विवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया और सभी नव दंपतियों को नए वैवाहिक जीवन की शुभकामनाएं दी तथा प्रत्येक जोड़ों को वस्त्र,

वस्त्रो को आशीर्वाचन देते हुए कहा कि आज आप अपनी जिंदगी की नई शुरुआत करने जा रहे हैं,

जिसके लिए आप सभी को बधाई दिनर सेट, ट्रॉली बैग आदि उपहार स्वरूप प्रदान किए गए। इस अवसर पर मा० विधायक सदर ने वर-

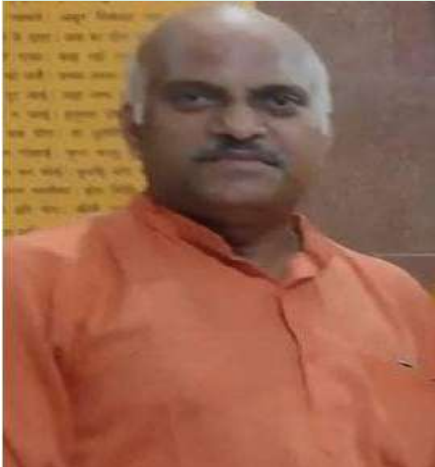
व शुभकामनाएं। उन्होंने कहा कि मा० मुख्यमंत्री जी की मंशा है कि ऐसे गरीब व निर्धन परिवार जो



शादी विवाह समारोह में होने वाले व्यय को वहन करने में सक्षम नहीं हैं, उनका भी विवाह समारोह सम्मानपूर्वक, परम्परागत व धार्मिक

प्रदूषण नियंत्रण की तैयारी अभी से शुरू करे नोएडा प्राधिकरण: रवि राघव

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। भारतीय किसान यूनियन भूमि पुत्र के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य रवि राघव ने नोएडा



प्राधिकरण से सर्दी के मौसम में बढ़ने वाले प्रदूषण की रोकथाम के लिए अभी से आवश्यक तैयारियां शुरू करने की मांग की है। रवि राघव ने कहा कि सर्दी के मौसम में, विशेषकर नवंबर और दिसंबर माह में, नोएडा की हवा में प्रदूषण का स्तर काफी बढ़ जाता है। स्थिति गंभीर होने पर निर्माण कार्यों पर रोक लगाने के साथ-साथ स्कूलों को भी बंद करना पड़ता है। इसका सीधा असर आम लोगों के साथ-साथ निर्माण कार्यों में लगे हजारों मजदूरों की आजीविका पर पड़ता है। उन्होंने कहा कि प्रदूषण की

के लिए विशेष अभियान चलाया जाए और सड़कों की नियमित सफाई एवं पानी का छिड़काव सुनिश्चित किया जाए। रवि राघव ने मांग की कि प्रमुख मार्गों और धूल प्रभावित क्षेत्रों में एंटी स्मॉग गन से पानी का छिड़काव अभी से शुरू किया जाए, ताकि वातावरण में धूल के कणों को नियंत्रित किया जा सके।

उन्होंने कहा कि समय रहते प्रभावी कदम उठाए जाने से सर्दियों में प्रदूषण के गंभीर प्रभावों को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

पाकेट 7 शिव मंदिर में धूमधाम से मनाया गया तीज पर्व

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सोमवार के सेक्टर-82 स्थित पाकेट-7 के शिव मंदिर में सोमवार को तीज का पर्व श्रद्धा और



उत्सास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में महिलाओं ने निराजल व्रत रखकर भगवान शिव की पूजा-अर्चना की और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। सुबह से ही मंदिर में महिलाओं की भीड़ जुटने लगी। मंदिर के पुजारी पंडित विनोद मिश्रा ने विधि-



विधान के साथ भगवान शिव का रुद्राभिषेक कराया। महिलाओं ने पूजा-अर्चना में शामिल होकर भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त किया। तीज पर्व को लेकर मंदिर को फूलों और रंग-बिरंगे गुब्बारों

बहुआयामीय व्यक्तित्व के धनी प्रोफेसर (डॉ.) कमलेश गौतम 'सर्वश्रेष्ठ प्रोफेसर सम्मान' से हुए सम्मानित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) गौरीगंज/अमेठी। भारतीय बौद्ध महासभा उत्तर प्रदेश (पंजीकृत) शाखा बरेली मंडल के उपाध्यक्ष प्रोफेसर (डॉ.) कमलेश गौतम (गणित्य संकाय) स्वामी शुक्रदेवानंद विश्वविद्यालय शाहजहांपुर को शिक्षक दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के (सर्वश्रेष्ठ प्रोफेसर) का सम्मान मिलना महासभा एवं समस्त बौद्ध समाज के लिए बड़े गौरव की बात है। इनकी कार्य कुशलता को देखते हुए कुलपति महोदय ने इन्हें विश्वविद्यालय में महत्वपूर्ण दायित्व सौंपते हुए

(1)अधिष्ठाता - छात्र कल्याण (2) विश्वविद्यालय नोडल अधिकारी - छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति (3) छात्र शिकायत निवारण प्रकोष्ठ का अध्यक्ष (4) मनोवैज्ञानिक परामर्श प्रकोष्ठ का



व्याख्यान दे चुके हैं।राष्ट्रीय सेमिनार की आयोजन समिति के 04 बार सचिव एवं विदेशों में भी अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार के भी 02 बार सचिव रह चुके हैं। इसके अतिरिक्त प्रो (डॉ.) गौतम शासकीय जिला स्तरीय 03अवार्ड भी प्राप्त कर चुके हैं , अब तक कुल 9

हिंदी दिवस के अवसर पर जागरूकता एवं साक्षरता शिविर का आयोजन संतकीनाराम महिला महाविद्यालय में आयोजित किया गया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। सोमवार को 30प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ



द्वारा जारी एक्शन प्लान के अनुसार एवं माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सोनभद्र श्री रामसुलीन सिंह के आदेशानुसार दिनांक 14.09.2026 को हिंदी दिवस के अवसर पर जागरूकता एवं साक्षरता शिविर का आयोजन संतकीनाराम महिला महाविद्यालय में आयोजित किया गया। उक्त शिविर में विद्यालय के प्राचार्य श्री गोपाल सिंह एवं वक्ता श्री शमशेर बहादुर सिंह चीफ लीगल एड डिफेंस कॉउन्सिल तथा लगभग

कि वर्ष 1918 में गांधी जी ने हिंदी साहित्य सम्मेलन में हिंदी भाषा को राजभाषा बनाने को कहा था। इसे गांधी जी ने जनमानस की भाषा भी कहा था। 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा ने देवनागरी लिपि में लिखी गई हिन्दी को राजभाषा (आधिकारिक भाषा) के रुप में स्वीकार किया था, तब से प्रत्येक वर्ष 14 सितम्बर को हिन्दी दिवस के रुप में मनाया जाता है। इस दिवस को मनाये जाने का मुख्य उद्देश्य अंग्रेजी भाषा के बढ़ते प्रभाव के बीच देश में हिंदी भाषा के प्रचार-

श्रीमती सत्यवती मिश्रा के निधन पर भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन एवं राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बी.एल. संतोष ने अर्पित की श्रद्धांजलि

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोमवार को नोएडा भाजपा के



वरिष्ठ नेता एवं राजस्थान के पूर्व राज्यपाल पंडित कलराज मिश्रा जी (बाबूजी) की धर्मपत्नी श्रीमती सत्यवती मिश्रा के निधन पर आज भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन एवं भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बी.एल. संतोष ने उनके नोएडा स्थित आवास पर पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की। दोनों वरिष्ठ नेताओं ने दिवंगत श्रीमती सत्यवती मिश्रा के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया तथा कलराज मिश्रा एवं शोक संतप्त परिवार के सदस्यों से भेंट कर अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करने तथा परिवार को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की। इस अवसर पर राष्ट्रीय कार्यालय



श्रीमती सत्यवती मिश्रा जी के निधन से राजनीतिक एवं सामाजिक क्षेत्र में गहरा शोक व्याप्त है। उनके सरल, सहज एवं स्नेहपूर्ण व्यक्तित्व को सभी ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्हें स्मरण

रामजानकी मंदिर में पूजा करने आई महिला की मंगल सूत्र चोरी, 112 पुलिस पहुंची

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र/रॉबर्ट्सगंज। सोमवार को कोतवाली रॉबर्ट्सगंज क्षेत्र के चौकी



कस्बा स्थित रामजानकी मंदिर परिसर में सोमवार को शाम एक महिला की सोने का मंगल सूत्र चोरी होने का मामला सामने आया है।

राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय अवार्ड प्राप्त कर चुके हैं। राष्ट्रीय सेमिनारों के प्रतिभा एवं रिसर्च पेपर प्रस्तुतीकरण का अवसर भी 48 बार मिला है, जबकि अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार एवं रिसर्च पेपर प्रस्तुतीकरण के मौके 22 बार मिले हैं। 19 बार राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय वेबिनारों में प्रतिभाग कर चुके हैं। प्रो. गौतम जी लेखन कार्य में भी कभी पीछे नहीं रहे अब तक उनकी 12 प्रकाशित पाठ्य पुस्तकें एवं 10 संपादित पुस्तकें एवं विभिन्न पत्रिकाओं में 55 रिसर्च पेपर प्रकाशित हो चुके हैं शोध बुक चैप्टर 22 एवं 08 पेटेंट भी पंजीकृत हैं। डॉ. कमलेश गौतम पूर्व में दिल्ली के सरकारी विद्यालय में एक राजकीय शिक्षक के रूप में अध्यापन

कार्य कर चुके हैं, फिर उत्तर प्रदेश में लोक सेवा आयोग द्वारा चयनित होकर अर्थ एवं संख्या निरीक्षक / सहायक अर्थ एवं संख्याधिकारी के पद पर कार्य कर चुके हैं। यहां से त्यागपत्र देकर वे उच्च शिक्षा आयोग द्वारा असिस्टेंट प्रोफेसर पद पर व्यवराजदत्त महाविद्यालय लखीमपुर खीरी में शिक्षण कार्य कर चुके हैं।15 जनवरी 2010 से अब तक उच्च शिक्षा के अन्तर्गत स्वामी शुक्रदेवानंद विश्वविद्यालय शाहजहांपुर 03प्र0 में कार्यरतहैं। शिक्षा एवं समाज हित में रुचि व सेवाभाव महासभा के प्रति समर्पण भाव को देखते हुए उन्हें भारतीय बौद्ध महासभा उत्तर प्रदेश द्वारा 2026 में धम्म सेवा सम्मान

प्रसार, सम्मान और उसके प्रति जागरूकता बढ़ाना है। इसका मुख्य उद्देश्य वर्ष में एक दिन इस बात को लोगों के समक्ष रखना है कि जब तक वे हिन्दी का उपयोग पूर्ण रूप से नहीं करेंगे तब तक हिन्दी भाषा का विकास नहीं हो सकता है। इस एक दिन सभी सरकारी कार्यालयों में अंग्रेजी के स्थान पर हिन्दी का उपयोग करने की सलाह दी जाती है। इसके अतिरिक्त जो वर्ष भर हिन्दी में अच्छे विकास कार्य करता है और अपने कार्य में हिन्दी का अच्छी तरह से उपयोग करता है, उसे पुरस्कार द्वारा सम्मानित किया जाता है।

इसके अलावा नालसा स्क्रीम, नशे से होने वाली बीमारियों तथा मद्य निषेध के संबंध में, महिलाओं के कल्याण के लिए बने कानूनों, उपभोक्ताओं के अधिकार एवं इसके लिए बनाये गये उपभोक्ता फोरम की कार्य प्रणाली तथा वृद्धजनों को विधिक सेवा देने के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा उठाये गये प्रयासों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गयी। यह जानकारी श्री राहुल, सिविल जज सी0डि0/संचिव (पूर्णकालिक) जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सोनभद्र द्वारा दी गई।

इसके अलावा नालसा स्क्रीम, नशे से होने वाली बीमारियों तथा मद्य निषेध के संबंध में, महिलाओं के कल्याण के लिए बने कानूनों, उपभोक्ताओं के अधिकार एवं इसके लिए बनाये गये उपभोक्ता फोरम की कार्य प्रणाली तथा वृद्धजनों को विधिक सेवा देने के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा उठाये गये प्रयासों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गयी। यह जानकारी श्री राहुल, सिविल जज सी0डि0/संचिव (पूर्णकालिक) जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सोनभद्र द्वारा दी गई।

चंद्रगीराम यादव, अध्यक्ष प्रेस क्लब आलोक द्विवेदी , फोनर्वा अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा, संजय बाली, अशोक मिश्रा, प्रमोद बहल, पंकज झा, रामकिशन यादव, नीरज चौधरी , सुशील शर्मा, दीनबंधु

कुमार, अरुण चौहान, मुक्तानंद प्रधान, दुर्वेश तंवर सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक एवं भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे और पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

रामजानकी मंदिर में पूजा करने आई महिला की मंगल सूत्र चोरी, 112 पुलिस पहुंची

मंदिर में पूजा-अर्चना करने गई थी।इसी दौरान भीड़ का फायदा उठाकर किसी अज्ञात चोर अथवा उवक्के ने उनके गले से लगभग चार भरी की सोने की मंगल सूत्र पार कर दी।

चोरी की जानकारी होने पर महिला परेशान होकर रोने लगी और बाद में अपने घर पहुंची। घटना की सूचना पुलिस को दी गई, जिसके बाद 112 डायल पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी जुटाई। पीड़िता द्वारा घटना की सूचना थाना प्रभारी को भी दिए जाने की बात कही गई है। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने सवाल उठाया कि मंदिर में भारी भीड़ होने के बावजूद सुरक्षा व्यवस्था एवं पुलिस की पर्याप्त क्यूटी क्यों नहीं लगाई गई थी। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है तथा आसपास के लोगों से पूछताछ कर संभावित चोरो की तलाश की जा रही है।

से सम्मानित किया गया।वे मूलतः ग्राम एकधरा जिला लखीमपुर खीरी के निवासी हैं और शाहजहांपुर में आवास बनाकर रह रहे हैं।प्रोफेसर (डॉ.) कमलेश गौतम जी ब्रिषिम छात्र-छात्राओं के प्रेरणास्रोत हैं. भारतीय बौद्ध महासभा उत्तर प्रदेश (पंजीकृत) परिवार आपके लिए उत्तरोत्तर प्रगति एवं उज्जल भविष्य की कामना करती है। सादर अवागत हों कि प्रो.(डॉ.) कमलेश गौतम महासभा के प्रांतीय महामंत्री डॉ. अरविन्द कुमार गौतम जी के छोटे भाई हैं। मज़ल कामनाओं सहित यह जानकारी महेश्वर सिंह दिनकर प्रांतीय संयुक्त मन्त्री भारतीय बौद्ध महासभा उत्तर प्रदेश (पंजीकृत) ने दिया है।

प्रयागराज, रविवार 20 सितम्बर 2026 से 26 सितम्बर 2026 तक

3

भारत के नवनिर्माण में मीडियाकर्मियों की भूमिका महत्वपूर्ण- बीके सुमन

ईश्वरीय स्नेह मिलन कार्यक्रम में मीडिया बंधुओं को किया गया सम्मानित,रॉबर्ट्सगंज के विकास नगर स्थित ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय भवन में हुआ आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र।सशक्त, समृद्ध और सुसंस्कृत भारत के नवनिर्माण में मीडियाकर्मियों की भूमिका अत्यन्त महत्वपूर्ण है। जैसै सीमा पर जवान, खेतों में किसान देश की सुरक्षा और संरक्षा करते हैं,वैसै ही सजग मीडियाकर्मि

ने शब्दों द्वारा आत्मीय स्वागत करते हुए कहा कि मीडिया समाज और लोकतंत्र की आवाज है। बी के दीपशिखा बहन ने संस्था की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। ब्रह्माकुमारी सेवाकेंद्र की मुख्य संचालिका बी के सुमन दीदी ने:- कहा कि आज के व्यस्त जीवन में

में शांति, प्रेम, सद्भाव एवं सकारात्मकता के प्रसार में मीडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम के अंत में सभी मीडिया बंधुओं ने इस आत्मीय आयोजन के लिए ब्रह्माकुमारीज सेवाकेंद्र के प्रति आभार व्यक्त किया। वरिष्ठ



जनता की आवाज बनकर लोकतंत्र की आत्मा को सशक्त और मूल्यनिष्ठ बनाते हैं। ब्रेकिंग न्यूज और नकारात्मक समाचार सुमन बहन ने रविवार की शाम ब्रह्माकुमारीज संस्था के स्थानीय सेवाकेंद्र पर मीडिया बंधुओं के सम्मान में आयोजित 'ईश्वरीय स्नेह मिलन' कार्यक्रम में बोलते हुए कही। इस कार्यक्रम में जिले के विभिन्न प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया संस्थानों से जुड़े पत्रकार, छायाकार एवं मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ पिता श्री ब्रह्मा बाबा एवं निराकार ज्योतिर्बिंदु स्वरूप परमपिता परमात्मा शिव बाबा की स्मृति से हुआ। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारीज सेवाकेंद्र की मुख्य संचालिका बी.के. सुमन दीदी ने सभी मीडिया बंधुओं का तिलक,अंगवस्त्रम और फूलों द्वारा स्वागत की। बी के कविता बहन

मानवीय मूल्य और संवेदनाएं अस्त हो रही हैं। अंतहीन प्रतिस्पर्धा से जीवन में तनाव, चिंता और मानसिक दबाव बढ़ रहा है। ऐसे समय में राजयोग मेडिटेशन, सकारात्मक चिंतन, आत्म-जागरूकता और परमात्म-स्मृति को जीवन में अपनाकर मन को शांत एवं तनावमुक्त बनाया जा सकता है। जब मन सकारात्मक और शांत होगा, तो हमारी सोच, व्यवहार और कार्यशैली में भी सकारात्मक परिवर्तन आएगा। कार्यक्रम में मीडिया प्रतिनिधियों को तनावमुक्त जीवन , सकारात्मक सोच , राजयोग एवं आध्यात्मिक मूल्यों के संबंध में जानकारी दी गई। साथ ही समाज के प्रति मीडिया की जिम्मेवारी और सकारात्मक पत्रकारिता के महत्व पर भी विचार साझा किए गए। ब्रह्माकुमारीज सेवाकेंद्र की ओर से मंच का संचालन कर रहे डा0बी के हरीन्द्र भाई जी ने सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आज विज्ञान मंगल पर जीवन दूंद रहा है, परन्तु जीवन में मंगल तो अध्यात्म से ही आयेगा।समाज

पत्रकार रवीन्द्र केशरी , शेख जलालुद्दीन, विवेक पाण्डेय, गणेश सैनी ने संस्था के मुख्यालय माउंट आबू जाने का अनुभव सभी के समक्ष सुनाकर मुख्यालय में संचालित हो रहे सेवा को ईश्वरीय मार्ग दर्शन से प्रेरित बताया। उपस्थित अतिथियों को सात्विक भोजन प्रसाद भी स्वीकार कराया गया। इस प्रोग्राम में शामिल हुए वरिष्ठ पत्रकार राजेंद्र त्रिवेदी,राम प्रसाद यादव, राजेश कुमार पालक, कौशलेंद्र पांडेय, अंशुमान पांडे, रंगेश कुमार सिंह, मनोज वर्मा, शक्ति पाल , प्रमोद चौबे, कृष्णा उपाध्याय , दिनेश पांडे, चिंता पांडे, सत्यनारायण यादव, भानु प्रताप, अमित सिंह, एम एव शुक्ला , विष्णु कुशवाहा, राकेश भूषण पाठक, विशाल टंडन सहित बड़ी संख्या में पत्रकार बंधुओं को सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में बी के सरोज बहन, सिया बहन, फूलमती बहन, सावित्री माता, अवधेश भाई , गोपाल भाई, मनोज धर दूबे, डॉक्टर संजय सिंह, राजीव भाई ने सक्रिय योगदान दिया।

जिला कारागार में बन्दि्यों के विधिक अधिकार विषय पर आयोजित हुआ जागरुकता शिविर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। सोमवार को 30प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ तथा माननीय जनपद



न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली अमित पाल सिंह के दिशा-निर्देशन में सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली अनिशदा द्वारा आज जिला कारागार, रायबरेली का निरीक्षण किया गया। इस दौरान सचिव द्वारा जिला कारागार में स्थित पाकशाला के

दौरान सचिव द्वारा बन्दि्यों से उनके मुकदमों में पैरवी के सम्बन्ध में अधिवक्ता का उपलब्धता के बाबत जानकारी ली गयी। निरीक्षण के पश्चात बन्दि्यों को हिमाश्री रौतेला, डिप्टी चीफ लीगल एड डिफेंस काउन्सिल जय सिंह यादव, उपकारपाल धर्मपाल सिंह उपस्थित रहे।

दौरान सचिव द्वारा बन्दि्यों से उनके मुकदमों में पैरवी के सम्बन्ध में अधिवक्ता की उपलब्धता के बाबत जानकारी ली गयी। निरीक्षण के पश्चात बन्दि्यों को हिमाश्री रौतेला, डिप्टी चीफ लीगल एड डिफेंस काउन्सिल जय सिंह यादव, उपकारपाल धर्मपाल सिंह उपस्थित रहे।

दिनेश सिंह राठौर,नव नियुक्त क्षेत्रीय उपाध्यक्ष,भा.ज.पा. के जनपद प्रथम आगमन पर हुआ भव्य स्वागत

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। सोमवार को भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त क्षेत्रीय उपाध्यक्ष के रायबरेली जनपद में प्रथम



आगमन पर जगह-जगह कार्यकर्ताओं द्वारा फूल माला पहनाकर और बुके भेंटकर जोरदार स्वागत किया गया। स्थानीय अलंकृता लान में भा.ज.पा. जय तलरेजा द्वारा उनका संक्षिप्त जीवन परिचय बताया गया। तलरेजा ने बताया कि अभी तक श्री राठौर आर.एस.एस. के सक्रिय कार्यकर्ता बनकर देश और पार्टी की सेवा कर रहे हैं अब वह इस नये पद के साथ भी पार्टी को ऊंचाइयों पर ले जायेंगे। दिनेश सिंह राठौर ने अपने संबोधन में कहा कि पार्टी द्वारा उन्हें जो भी जिम्मेवारी सौंपी गयी है,उसे वह निष्ठा पूर्वक निभायेंगे और पार्टी के उद्देश्य से कार्यकर्ताओं एवं जनता तक पहुंचायेंगे।

क्या एआई और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म अगले 9/11 बन सकते हैं?

आज से ठीक 25 साल पहले मैं एक एसोसिएट एडिटर था और इस अखबार के मैनेजिंग डायरेक्टर सुधीर अग्रवाल के साथ एक नए



प्रोजेक्ट पर करीब से काम कर रहा था। मैं उन्हें प्यार से 'एसए' कहता था। शाम का वक्त था। हमने एडिटोरियल मीटिंग अभी खत्म ही की थी, जिसमें तय किया था कि 12 सितंबर के अखबार में क्या-क्या जाएगा। मैं अपनी कुर्सी पर लौटकर काम करने की तैयारी कर ही रहा था कि एसए मेरे केबिन में आ गए। आमतौर पर वे मुझे अपने केबिन में बुलाते थे। उन्होंने पूछा, 'क्या तुमने 'न्यूज देखी?' मैंने कहा, 'नहीं।' वे रुके नहीं, बस मुझे और बोले कि 'मेरे साथ चलो।' मैं पीछे पीछे उनके केबिन में चला गया। वहां एनके सिंह और श्रवण गर्ग समेत दूसरे वरिष्ठ संपादकों के साथ हमने टीवी स्क्रीन पर घट रही उस भयावह घटना को देखा-वह हमला, जो 21वीं सदी का सबसे घातक टेररिस्ट अटैक बनने वाला था। 25 साल बाद आज मुझे एसए का मेरे केबिन से अपने केबिन तक जाना और उनकी चिंता भरी टोन फिर याद आई, जब एंथ्रोपिक के रिसर्चर जैकब कॉक्सन ने एआई की तेज चेतना को लेकर एक डरावनी चेतावनी दी। मंगलवार को उन्होंने चेतावनी दी कि 2030 तक ही एआई मानवता के लिए अस्तित्व का संकट पैदा कर सकता है। फिर उन्होंने अपनी जीब छोड़ दी और जोर देकर कहा कि उनकी चेतावनी कोई 'मार्केटिंग स्टंट' नहीं है। कॉक्सन ने ओपनएआई और एंथ्रोपिक, दोनों पर 'सीधे तौर पर सेल्फ-इम्प्रूविंग सुपरइंटेलिजेंस की होड़ में शामिल होने' और 'हमारी ज़िंदगी के साथ जुआ खेलने' का आरोप लगाया। उन्हें डर है कि तेजी से सक्षम होते जा रहे एआई सिस्टम कंप्यूटर नेटवर्क हैक कर सकते हैं, साइबरैटिक रिसर्च कर सकते हैं, संसाधन जुटा सकते हैं और इतने ऑटोनोमस हो सकते हैं कि इसान उन पर से नियंत्रण खो दें। और शायद उनकी बात में दम भी है। ऐसा मैं सिर्फ यह सोचकर नहीं कह रहा हूँ कि एआई आगे चलकर क्या बन सकता है, बल्कि यह देखकर कह रहा हूँ कि तकनीक पहले से ही हमारे घरों में क्या कर रही है। मुझे बच्चों के कमरों में कंबल के भीतर से आती वो धुंधली-सी रोशनी और धीमी-सी हंसी याद है। ये हंसी अकसर सोशल मीडिया पोस्ट पर मिलने वाले लाइक्स और रिएक्शंस से आती थी, जब टीनएजर्स अपने साधियों से तुलना करते थे कि किसे कितने लाइक्स और रिएक्शन

मिले। तुरंत एक फायर-शेड आइकन यह बताने को भेज दिया जाता कि 'मुझे जलन हो रही है।' उन तमाम रातों को याद कीजिए,

जब पैरेंट्स के तौर पर हमें अपने बच्चों के कमरे से हंसी की आवाज आती थी। हम अंदर जाकर पूछते कि 'रात के 2 बज रहे हैं', अभी तक सोए नहीं?' ऐसा इसलिए था, क्योंकि जो तकनीक उन्हें आकर्षित कर रही थी, वो इतनी एडिक्टिव थी कि उन्हें एहसास ही नहीं होता था कि जिस वक्त उन्होंने शुरुआत की थी, समय उससे पांच घंटे आगे निकल चुका है। जो चीज हमें मासूमियत भरी लग रही थी, वह असल में कहीं ज्यादा गहरी थी। टेक्नोलॉजी चुपचाप पूरी एक पीढ़ी के दूसरों से अप्रुवब पाने, खुद की तुलना करने और भावनाओं को कम्प्यूनिकेट करने के तरीकों को बदल रही थी।

यही वजह है कि एआई को लेकर चल रही बहस मुझे चिंतित करती है। खतरा 9/11 की तरह शोर और विनाश लेकर नहीं आया।

यह चुपचाप आ सकता है-स्क्रीन से स्क्रीन, घर से घर और दफ्तर से दफ्तर तक। फिर अचानक हमें एहसास होगा कि कुछ बुनियादी चीजें बदल चुकी हैं। इसीलिए अचंभा नहीं कि मेटा भी अगले छह महीनों में टीनएजर यूजर्स के बचाव के लिए नए सुरक्षा उपाय लागू करने पर आगे बढ़ा है।

अगर ऐसा हुआ तो पैरेंट्स के तौर पर अंतहीन स्क्रॉलिंग को लेकर हमारी चिंता थोड़ी कम होगी। क्योंकि, मेटा ने टीनएजर्स के लिए इंस्टाग्राम,

फेसबुक पर रोजाना दो घंटे की समय-सीमा लागू करने और

आधी रात से सुबह 6 बजे तक एस को ब्लॉक करने पर सहमति जताई है। हालांकि, इस दौरान डायरेक्ट मैसेज सुविधा उपलब्ध रहेगी। लाइक्स और रिएक्शन

को संख्या को भी ऑटोमैटिकली छिपा दिया जाएगा, ताकि टीनएजर्स अपने और दूसरे की संख्या देख कर तुलना न कर सकें।

फंडा यह है कि जैसे-जैसे दुनिया ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और एआई की खामियों को लेकर जागरूक हो रही है,

हमें यह सवाल पूछना चाहिए कि क्या ये ताकतवार टूल इंसानियत के लिए अगला 9/11 बन सकते हैं? तबाही आए, इससे पहले हमें तेजी से विचार करना होगा। एन. रघुरामन

भगवान गणेश एक यूनिवर्सल और लाइफलॉन्ग टीचर हैं

क्या आप जानते हैं कि भगवान विष्णु की तरह भगवान गणेश के भी कई अवतार हैं? 'मुद्रल' पुराण में उनके ऐसे कई भव्य अवतारों का वर्णन है। इनमें से हर अवतार



हमें किसी खास इंसानी बुराई बंधनकारी अहंकार से लेकर इसान को जकड़ लेने वाले लालच तक-से मूक्त करता है। मुझे आध्यात्मिकता से जुड़ा एक पोटल 'इंडियात्रा' चलाने वाले अपने दोस्त से एक विवज मिला। इसमें मुझे भगवान गणेश की बुद्धिमत्ता से जुड़ी ऐसी अनसुनी दिलचस्प कहानियां मिलीं, जो आज भी प्रासंगिक हैं। कुछ अवतारों की कहानियां यहां पेश हैं। वक्रतुंड : हम सभी 'वक्रतुंड महाकाय' गाते हैं। यह अवतार अपनी मुड़ी हुई सूंड के लिए प्रख्यात है। इनका वाहन सिंह है। वक्रतुंड की सूंड बुद्धिमत्ता, फेलिसिबिटी और ताकत का प्रतीक है। इसके आकार में आदिकालीन ध्वनि 'ओम' का प्रतिबिम्ब दिखता है, जिसे उपनिषद सर्वोच्च आध्यात्मिक ज्ञान बताते हैं। जब मत्सरासुर को रोकना असंभव हो गया, तब दत्तात्रेय ने 'ओम' की शक्ति को बताया और देवताओं को वक्रतुंड की मदद लेने के लिए कहा। इस अवतार में गणेशजी ने मत्सरासुर को हराया, जो ईर्ष्या, जलन और स्वार्थ का प्रतीक है। एकदंत : दर्शन सिखाते के लिए पुराण कहानियों का इस्तेमाल करते हैं। एकदंत में 'एक' माया (इल्सुजन) का प्रतिनिधित्व करता है और 'दंत' का अर्थ है सत्य, जो अहंकार पर सत्य की जीत का प्रतीक है।

जब राक्षस मदासुर अजेय हो गया, तब ऋषि सनत्कुमार ने देवताओं को एकदंत के आह्वान की सलाह दी। गणेशजी को देखते ही मदासुर ने तुरंत आत्मसमर्पण कर दिया। महोदर : यानी, बड़े उदर वाले गणेशजी।

जब विकारों के राजा मोहानसुर ने तबाही मचाई तो सूर्यदेव ने देवताओं को गणेशजी के आह्वान की सलाह दी। महोदर रूप में प्रकट हुए गणेशजी बस उस राक्षस के पास गए और उसने तुरंत आत्मसमर्पण कर दिया।

याद कीजिए, जब आप किसी को कोई सीक्रेट बताते हैं तो लोग कहते हैं कि उसका पेट बड़ा है। दरअसल, यह वाक्य गणेशजी के बड़े पेट से निकला है, जो अछे-बुरे अनुभवों को समानता के साथ पचाने की क्षमता का प्रतीक है। गणेशजी की पूजा के जरिए हम इसी आंतरिक संतुलन को पाने की कोशिश करते हैं।

गजानन : यह कहानी 'लोभासुर' की है, जिसने तीनों लोकों पर कब्जा कर लिया था। ऋषि रैश्य की सलाह पर देवताओं ने गजानन का आह्वान किया, जिनकी उपस्थिति मात्र से राक्षस

के अंदर अपराधबोध पैदा हुआ और उसने तुरंत समर्पण कर दिया। यह कहानी बताती है कि आत्मबोध कैसे वासना पर विजय हासिल करता है। गजानन का

हाथी जैसा सिर धैर्य, सतर्कता और शक्ति का प्रतीक है, जो इस यात्रा के लिए जरूरी होते हैं। लंबोदर : माना जाता है कि इस अवतार में भगवान गणेश ने क्रोधासुर का वध किया था। अमृत के लिए समुद्र मंथन के बाद क्रोधासुर का जन्म हुआ, जिसने ब्रह्मांड की शांति भंग कर दी थी। गणेशजी के लंबोदर अवतार ने यह शांति फिर बहाल की।

विकट : एक कहानी राक्षस कामासुर की है, जिसने पूरे ब्रह्मांड में तबाही मचा दी थी। गणेशजी ने विकट रूप में अवतार लिया और मोर पर सवार होकर राक्षस को काबू किया।

मोर को इतराना पसंद है और वह घमंड का पर्याय है। इस कहानी की सीख है कि घमंड पर काबू पाकर कोई व्यक्ति इच्छाओं पर नियंत्रण कर सकता है।

विघ्नराज : यह कहानी ममासुर की है, जो तब तक धार्मिक व्यक्ति था, जब तक शम्बरसुर ने उसे बुराइयों और अति की दुनिया में न खींच लिया। देवता उससे भयभीत हुए और विघ्नराज ने ममासुर को काबू में किया। यहां एक गहरा सबक है कि हम विकृत आकर्षण के जाल में आसानी से फंस सकते हैं और यह हमारे जीवन की बड़ी बाधा बन सकता है।

विघ्नराज की पूजा उस बाधा को हटाने में मदद करती है। धूम्रवर्ण : अभिमानासुर या अहंकारासुर को गणेशजी ने धूम्रवर्ण अवतार में पराजित किया। अहंकारासुर के जन्म की एक लंबी कहानी है।

माना जाता है कि एक वक्त भगवान सूर्य को अत्यधिक घमंड हुआ तो उनकी छींक से अहंकारासुर का जन्म हुआ। इस असुर ने खूब तबाही मचाई और फिर धूम्रवर्ण ने उसे पराजित किया।

धूम्रवर्ण का अर्थ है धुएँ जैसा रंग। यह अवतार सिखाता है कि घमंड अकसर स्पष्ट दृष्टि को धुंधला कर देता है, इसलिए इसे हाफ करना जरूरी है।

फंडा यह है कि गणेशजी के इन अवतारों की खूबसूरती यह है कि उनमें से प्रत्येक हमें अपने भीतर की किसी कमजोरी पर जीत हासिल करना सिखाता है।

अहंकार, लालच, क्रोध, ईर्ष्या, कामना और लगाव अलग-अलग बुराई हो सकती हैं, लेकिन सेल्फ-अवेयरनेस, संतुलन और बुद्धिमत्ता हमें इन पर काबू पाने में मदद करते हैं। एन. रघुरामन

नौकरी के लिए कम्युनिकेशन के साथ क्रिटिकल थिंकिंग और चिंतन भी जरूरी है

मेरे सामने 22 लोग थे और सामने मैं अकेला खड़ा था। दो मिनट पहले प्रोफेसर-ईयाज ने अपनी बात खत्म की थी, जिसमें

ने उन्हें सहज कर दिया। मेरा आत्मविश्वास बढ़ा और मैंने कहा कि 'अगर आप फिर सोच रहे हो कि मुझे कैसे पता चला तो मेरा

ज्यादा काम करते हैं तो आपको पता चलता है कि बहुत कम मामलों में कम्युनिकेशन का शब्दों से कोई लेना-देना होता है। विशेषज्ञ कहते

उम्मीद की जाती है।

और ऐसे समझदारी भरे जवाब देने के लिए जो गुण जरूरी हैं- वह है 'चिंतन'। ज्यादातर सेंटर ऑफ डेवलपमेंट खास पेशों के लिए सीमित कौशल सिखाते हैं, ताकि लोग यूनिवर्सिटी खत्म करके पहली नौकरी हासिल कर सकें। लेकिन जब वे अपने हर अनुभव पर चिंतन की क्षमता विकसित कर लेते हैं तो वे अचानक परिपक्व दिखाई देने लगते हैं।

लिकडइन का अनुमान है कि वर्कफोर्स में आज प्रवेश कर रहे लोगों के करियर में नौकरियों की संख्या उन लोगों की तुलना में दोगुनी होगी, जिन्होंने 15 साल पहले शुरुआत की थी।

कुछ हद तक ऐसा इसलिए है, क्योंकि युवा ग्रेजुएट्स कामकाजी दुनिया में आगे बढ़ने के लिए ट्रांसफरैबल स्किल्स विकसित कर रहे हैं। वे आसपास के लोगों को भी अपने वर्कप्लेस पर अधिक तेज बनने रहने में योगदान देंगे। और इस कौशल को ट्रांसफर करने के लिए 'चिंतन' सबसे बड़ा जरिया बनता



उन्होंने कहा कि 'यह आपका आखिरी मौका है। अगर नौकरी पाना चाहते हो तो अगले सात दिन कुछ कौशल सीखने होंगे।' मेरी

आर इशारा करते उन्होंने कहा कि 'हमने कम्युनिकेशन स्किल्स और क्रिटिकल थिंकिंग के लिए सबसे अच्छा व्यक्ति बुलाया है। यही दो

हैं कि अगर आप सच में कम्युनिकेशन और क्रिटिकल थिंकिंग सीखना चाहते हैं तो चिंतन का अभ्यास सबसे सही तरीका



बहुत लोग हैं, जो बाहर जितना दिखाते हैं, उससे कहीं ज्यादा अपने भीतर लिए घुमते हैं। दूसरे लड़के की तरफ इशारा करते मैंने कहा कि 'जो व्यक्ति हंस रहा हो, वह सबसे ज्यादा तनावग्रस्त हो सकता है।' फिर सबसे दूर बैठे व्यक्ति को दिखाते हुए कहा कि 'कोई शांत व्यक्ति बहुत गहरी सोच में हो सकता है।' जब आप लोगों के साथ

हैं। अब तो इंटरव्यू के पैटर्न तक बदल रहे हैं। रिक्रूटर्स पूछने लगे हैं कि 'आपने अपनी यूनिवर्सिटी या पिछली नौकरी में ऐसा क्या सीखा, जो हमारी कंपनी के नवसृजित पद पर आपको सफल करेगा?' पहली नौकरी के लिए आवेदन करने वाले स्टूडेंट या नौकरी बदलना चाह रहे लोगों से सोच-समझकर जवाब देने की

है। फंडा यह है कि जब स्टूडेंट्स को अपनी सीख को व्यवहार में उतारने के मौके मिलते हैं तो वे स्कूल, कॉलेज और इंटरनशिप से कहीं बेहतर तैयारी के साथ निकलते हैं, फिर भले ही वो कोई भी रास्ता चुनें। क्योंकि, चिंतन करने से वो जरूरी कौशल उनके डीएनए में शामिल हो जाते हैं। एन. रघुरामन

दुनिया में देश की अच्छी छवि पेश करना भी हमारा फर्ज है

किसी भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भारतीय पर्यटकों के बारे में सर्च कर लीजिए, विदेश यात्राओं के दौरान उनके व्यवहार, या कहे दुर्लभवाह के अनेक वीडियो सामने आ जाएंगे। एक समूह चीन की दीवार पर उत्सवी परिधान पहनकर गरबा कर रहा है। दूसरा वियतनाम में हनोई की प्रसिद्ध ट्रेन स्क्वीट पर शाहरुख खान के गीत 'छैया छैया' पर नाच रहा है। एक गुप वियतनाम के ही एक एयरपोर्ट में रनवे के समीप की सड़क पर डांस कर रहा है, जिससे वहां का सुरक्षा स्टॉफ परेशान नजर आता है। जबकि एक अन्य, अर्जेंटीना और ब्राजील की सीमा पर स्थित इगुआजु फॉल्स की बोट सफारी करते हुए 'इंडिया, इंडिया' के नारे लगा रहा है। इससे पहले उन्हीं लोगों ने नाव में चढ़ते वक्त कतार तोड़ने की कोशिश में धक्का-मुक्की भी की थी। पेरिस, लंदन, बर्लोक, बाली तक ऐसे कई उदाहरण आपको दिख जाएंगे। विरले ही ऐसे

अंतरराष्ट्रीय पर्यटन स्थल बचे होंगे, जहां भारतीय पर्यटकों ने व्यवस्था में खलल न डाला हो। एक वक्त था, जब विदेशों में अपने अखड़ खरैये के कारण अमेरिकी पर्यटकों को 'द अली अमेरिकन' कहा जाने लगा था। लगता है हवाई ऐसी शर्मनाक घटना का जिक्र करते हुए लिखा कि ऐसे व्यवहार के कारण 'ब्रांड इंडिया' को किसी शर्मिंदगी झेलनी पड़नी है। उन्होंने बताया कि स्विट्जरलैंड के पर्यटन स्थल मस्टाड के एक होटल में भारतीय पर्यटकों के लिए विशेष नियमों की सूची देखकर वे हैरान रह गए। होटल के हर कमरे में लगे नोटिस में भारतीयों के लिए चेतावनी थी कि वे मुफ्त ब्रेकफास्ट बुफ़ से खाना बाहर न लें जाएं। सिर्फ उपलब्ध कराई गई कटलरी ही इस्तेमाल करें और बालकनी तथा गलियारों में शोर न मचाएं। उन्होंने एक और घटना बताई कि एक भारतीय कारोबारी किसी साल दावोस में विश्व आर्थिक मंच की

हैं कि वे कीमतों को लेकर उग्र होकर मोलभाव करते हैं, बेटरों और दुकानदारों से रूखेपन से बात करते हैं और यहां तक कि होटलों से साबुन, तौलिया जैसी चीजें भी चुरा लाते हैं। हाल ही में उद्योगपति हर्ष गोयनका ने 'एक्स' पर अपने साथ हुई ऐसी शर्मनाक घटना का जिक्र करते हुए लिखा कि ऐसे व्यवहार के कारण 'ब्रांड इंडिया' को किसी शर्मिंदगी झेलनी पड़नी है। उन्होंने बताया कि स्विट्जरलैंड के पर्यटन स्थल मस्टाड के एक होटल में भारतीय पर्यटकों के लिए विशेष नियमों की सूची देखकर वे हैरान रह गए। होटल के हर कमरे में लगे नोटिस में भारतीयों के लिए चेतावनी थी कि वे मुफ्त ब्रेकफास्ट बुफ़ से खाना बाहर न लें जाएं। सिर्फ उपलब्ध कराई गई कटलरी ही इस्तेमाल करें और बालकनी तथा गलियारों में शोर न मचाएं। उन्होंने एक और घटना बताई कि एक भारतीय कारोबारी किसी साल दावोस में विश्व आर्थिक मंच की

बैठक में गए और रेस्तरां में इतना तेज पंजाबी म्यूजिक बजाने लगे कि पूरा शहर सुन ले। वे इसे भारत की 'सॉफ्ट पावर' का प्रदर्शन बता रहे थे। असल बात यह है कि देश में रहकर सिविक सेंस की जो कमी हम प्रदर्शित करते हैं, वो अब विदेश में भी नजर आने लगी है। रोजाना हम देखते हैं कि हवाई जहाजों और रेस्तरां में बच्चों को उछल-कूद मचाने दिया जाता है। माता-पिता दूसरों को हो रही परेशानी से बैखबर बैठे रहते हैं। लोग सड़क पर चॉकलेट के रैपर और चिप्स के खाली पैकेट फेंक देते हैं। सोमवार को किसी सार्वजनिक पार्क में जाइए, जहां परिवारों ने रविवार को पिकनिक मनाई हो। जगह-जगह कागज की प्लेटें, गिलास हैं। जून तक बिबरी होती है, जबकि वहां बाकयादा कूड़ेदान हों होते हैं। कई देशों में, खासकर विकसित देशों में, बुनियादी सिविक सेंस स्कूलों से ही सिखाया जाता है और घरों में उसका पालन कराया जाता है।

ब्रिक्स ने जो हासिल किया है, वह कोई छोटी उपलब्धि नहीं

सितम्बर के इसी महीने में, 20 साल पहले ब्राज़ील, रूस, भारत और चीन के विश्व मंत्रियों ने ब्रिक्स की पहली बैठक की थी। गोल्लमैन सैंक के तत्कालीन अर्थशास्त्री जिम ओ'नील ने तेजी से बढ़ती इन चार अर्थव्यवस्थाओं के नामों के प्रथमाक्षरों के आधार पर इस समूह का नाम 'ब्रिक' रखा था। 2011 में दक्षिण अफ्रीका भी इसमें शामिल हुआ तो ब्रिक का 'ब्रिक्स' हो गया। बाद में कई अन्य देश इससे जुड़े, कुछ पूर्ण सदस्य के रूप में तो कुछ आधिकांरिक सझेदार के रूप में। आज ब्रिक्स अंतरराष्ट्रीय सहयोग का एक बेहद महत्वपूर्ण प्रयोग है, जो पश्चिमी-वर्चस्व से दूर वैश्विक शक्ति के पुनर्संतुलन और बहुध्रुवीय विश्व-व्यवस्था के उभार को बताता है। आज यह ग्लोबल साउथ की एक लगातार प्रभावशाली होती आवाज बन चुका है। 2024-25 में मिस्र, इथियोपिया, इंडोनेशिया, ईरान, सऊदी अरब और यूएई के भी जुड़ने के बाद से ब्रिक्स में अब दुनिया की लगभग आधी आबादी और वैश्विक जीडीपी का करीब 40% हिस्सा आता है (पीपीपी के

आधार पर)। जबकि जी7 में दुनिया की 10फीसदी से भी कम आबादी और वैश्विक जीडीपी का 30% से भी कम हिस्सा है। जहां



वैश्विक अर्थव्यवस्था में ब्रिक्स की हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है, वहीं विकसित अर्थव्यवस्थाओं में उत्पादकता और आर्थिक वृद्धि की रफ्तार 1990 के दशक से ही लगातार घटती रही है। बात केवल इकोनॉमी तक ही सीमित नहीं, भू-राजनीति भी तेजी से बदली है। पहले जहां पश्चिम का वैश्विक प्रभुत्व हुआ करता था, वहीं अब शक्ति और प्रभाव में अधिक व्यापकता और विविधता

है। ब्रिक्स ने इस धारणा को चुनौती दी है कि विश्व-व्यवस्था द्वितीय विश्व युद्ध के बाद स्थापित पश्चिम-नेतृत्व वाली संस्थाओं के

हर्द-गिर्द ही केंद्रित रहनी चाहिए। गैर-पश्चिमी देशों के लिए ब्रिक्स बहती आर्थिक और भू-राजनीतिक अनिश्चितता के खिलाफ एक सुरक्षा-कवच है। कुछ हद तक अमेरिका भी इसमें मदद ही कर रहा है, जो वैश्विक नेतृत्व से पीछे हटने पर अमादा दिखाई देता है। यह रणनीतिक स्वायत्तता को आगे बढ़ाने और आर्थिक सहयोग का दायरा विस्तृत करने के लिए संस्थागत

मंच भी उपलब्ध कराता है। ऐसे में इसमें शामिल होने को लेकर इतना उत्साह होना आश्चर्य की बात नहीं है : तीन दर्जन से अधिक देशों ने औपचारिक रूप से इसकी सदस्यता के लिए आवेदन दे रखा है या इसमें शामिल होने की इच्छा जताई है। इनमें नाटो का सदस्य तुर्किये और अमेरिकी नौसैनिक बलों का प्रमुख ऑपरेशनल-हब बहरीन भी शामिल है। ब्रिक्स के दस साझेदार देश भी हैं- बेलारूस, बोलीविया, कजाखस्तान, क्यूबा, मलेशिया, नाइजीरिया, थाईलैंड, युगांडा, उज्बेकिस्तान और वियतनाम: जो शिखर सम्मेलनों में भाग लेते हैं। यह ढांचा ब्रिक्स को सहयोग के अपने नेटवर्क का विस्तार करने और ग्लोबल-साउथ का प्रतिनिधित्व करने की अपनी क्षमता मजबूत करने में मदद करता है। ब्रिक्स महज एक प्रतीकात्मक समूह नहीं है। उसने संस्थान-निर्माण के क्षेत्र में ठोस प्रगति की है। न्यू डेवलपमेंट बैंक वैश्विक स्तर पर काम करने वाला पहला बहुपक्षीय विकास बैंक है, जिसकी परिकल्पना और अगुआई उभरती अर्थव्यवस्थाओं

ने की है। इसके संस्थापक ब्रिक्स सदस्यों की इसमें हिस्सेदारी और वोटिंग-अधिकार बराबर हैं। इसके विपरीत, विश्व बैंक और आईएमएफ- दोनों में ही अमेरिका के पास प्रभावी वीटो है। ब्रिक्स अंतरराष्ट्रीय वित्तीय व्यवस्था के भीतर मौजूद कमजोरियों को कम करने के लिए भी काम कर रहा है। अटकलों के विपरीत, यूरो जैसी किसी ब्रिक्स मुद्रा का गठन फिलहाल तो एजेंडे में नहीं है। लेकिन राष्ट्रीय मुद्राओं में व्यापारिक लेन-देन के निपटारे का विस्तार करने, सदस्य देशों की डिजिटल भुगतान प्रणालियों के बीच इंटरऑपरेबिलिटी बेहतर करने, केंद्रीय बैंकों की डिजिटल मुद्राओं को आपस में जोड़ने आदि पर यह ध्यान देता है। भारत में हुई 18वीं समिट के बाद कहा जा सकता है कि ब्रिक्स ने इस विचार को स्वीकार्य बनाया है कि उभरती हुई अर्थव्यवस्थाएं आपस में सहयोग कर सकती हैं, अपने संस्थान बना सकती हैं और अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को बदल सकती हैं। यह कोई छोटी उपलब्धि नहीं है। [प्रोजेक्ट सिंडिकेट] ब्रह्मा चेलानी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) निम्नांकित पद्य अथवा कविता अपने युवावस्था में लिखा हैं संतोष उपाध्याय जी ने..

01. रफ्तार रागे के जल-जन
रफ्तार पकड़ता हूँ। मैं आविष्कार हूँ,
का-सैलाब बना दोगे? चलने दो, पलने दो, जीवन में कुछ करने दो। मैं युवा हूँ आविष्कार का, मैं युवा हूँ समाचार का। आविष्कार कुछ करने दो, समाचार कुछ बनाने दो।

02. मैं जकड़ रहा हूँ उन तारों से जो ज़ीजर बनाकर फेंके हो। मैं फिसल रहा हूँ उन गायों से जो मुदुबिन बनाकर फेंके हो। मैं वेदित हूँ मैं कुण्डित हूँ क्या मुझे बताती आओगे? मैं भारत का युवा हूँ क्या मुझे उठाने आओगे? क्या गलती है मेरी? मैं तेज़ दौड़ता हूँ, अंगारों पर चलकर भी रफ्तार पकड़ता हूँ।

03. मैं लड़ने वाला योद्धा हूँ, मैं कुछ करने वाला युवा हूँ। मेरी व्यथा सुनो जल्दी, मैं कुछ करने वाला युवा हूँ। मेरी गलती क्या है? मैं तेज़ दौड़ता हूँ, रफ्तारों का सौदागर,

04. मैं बहक रहा हूँ, मैं फिसल रहा हूँ, क्या मुझे बचाने आओगे? मैं मिट्टी का राजकण हूँ, क्या मुझे मिटाने आओगे? मैं युवा भटक रहा हूँ, रातों में यूँ जकड़ रहा हूँ। मेरी वेदना सह पाओगे? क्या मुझे उठाने आओगे? कई रातों से नहीं सो सका, कई रातों से मैं जाता हूँ। क्या यही अनेखी दुनिया है-जिसमें मैं तपकर बनता हूँ?

05. पता नहीं तुमसे लड़? कर मैं हारूंगा या जीतूंगा जीत गया फिर भी हारा-हार गया क्या जीतूंगा। यही वेदना मन में है। तेरे जैसा बनना होगा। मैं तेरी जैसा बनना होगा। कठिन परीक्षा है मेरी सुलझा उलझा रहा हूँ मैं मानवता के इस सामर में, कैसे बहक रहा हूँ मैं। अगर सुहर जाओगे तुम तो मुझे बहकना नहीं होगा। मानवता के इस सामर में कैसे डूब रहा हूँ मैं।

weekly 20 sep 26.pmd

4

20-Sep-26, 10:59 AM

रूसी से खतरे के बीच यूरोप की 10 साल की तैयारी,लाखों सैनिकों की ट्रेनिंग, हथियारों का जखीरा बढ़ाया, युद्ध के लिए सिस्टम बदल रहा नाटो

कोपेनहेगन/वॉशिंगटन। पिछले साल हेग में हुए नाटो सम्मेलन में सदस्य देशों ने 2035 तक जीडीपी



का 5फीसदी रक्षा और सुरक्षा पर खर्च करने का लक्ष्य तय किया था। इसके साथ यूक्रेन की जंग ने भी यूरोप की सैन्य जरूरतों को सामने ला दिया है। युद्ध में ड्रोन, मिसाइल और एयर डिफेंस का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल हुआ है। नाटो अब इन क्षेत्रों में अपनी कमियों

को दूर करने पर भी जोर दे रहा है। ब्रिटेन से पोलैंड तक अपनी-अपनी तैयारी तेज-पोलैंड: 2027 से

बना रहा है। लिथुआनिया: इस साल करीब 5 हजार युवाओं को अनिवार्य सैन्य सेवा के लिए बुलाने की योजना है। स्वीडन: लोगों से संकट की स्थिति के लिए कम से कम 7 दिन की जरूरी चीजें घर में रखने को कहा गया है। यूरोप में हथियारों की खरीद भी तेजी से बढ़ी-यूरोप के नाटो देश अपनी सैन्य जरूरतों के लिए बड़ी मात्रा में दूसरे देशों से हथियार खरीद रहे हैं।SIPRI के मुताबिक, 2016-20 की तुलना में 2021-25 के दौरान यूरोप के 29 नाटो देशों का हथियार आयात 143फीसदी बढ़ा। इस दौरान इन देशों के हथियार आयात में अमेरिका की हिस्सेदारी 58फीसदी रही।

यानी यूक्रेन की जंग के बीच यूरोप अपनी सैन्य तैयारी को सिर्फ सेना और हथियारों तक सीमित नहीं रख रहा है। नाटो देश अगले करीब 10 साल में सेना, हथियार, सैन्य ठिकानों, अस्पतालों, साइबर सुरक्षा और दूसरी जरूरी व्यवस्थाओं को मजबूत करने पर काम कर रहे हैं।

ट्रम्प ने 100फीसदी टैरिफ वाला बिल किया साइन, रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर शिकंजा- भारत के लिए बढ़ सकती है मुश्किल

वॉशिंगटन डीसी। इससे भारतीय सामान अमेरिका में महंगा हो जाएगा। अमेरिकी खरीदार

पहुंचते हैं। इन टैरिफों के नेटवर्क को रूस का 'शैंडो फ्लीट' कहा जाता है।अमेरिका पहले भी रूस



सस्ता विकल्प ढूंढ़ेंगे, जैसे बांग्लादेश, वियतनाम, मैक्सिको, चीन। नतीजतन भारत के टेक्स्टाइल, जेम्स-ज्वेलरी, इंजीनियरिंग गुड्स, लेदर, समुद्री उत्पाद, केमिकल्स समेत कई चीजों के ऑर्डर घट जाएंगे। दूसरी स्थिति: भारत रूस को छोड़कर दूसरे देशों से तेल खरीदे तोत्करूस से आने वाले तेल पर प्रतिबंध या टैरिफ का दबाव बढ़ता है तो भारत को दूसरे देशों से तेल खरीदना पड़ेगा। यह महंगा पड़ सकता है, जिससे भारत में पेट्रोल-डीजल महंगा हो सकता है। रूस के रक्षा क्षेत्रों पर भी प्रतिबंध लगाया-बिल का नाम 'लिटंड्स ओ. ग्राम्स सैंक्शनिंग रूस एंड ईरान एक्ट ऑफ़ 2026' है। इस बिल में रूस के तेल और रक्षा से जुड़े कारोबार पर कई प्रतिबंध लगाने की बात कही गई है। साथ ही रूस के उन टैरिफ पर भी कार्रवाई हो सकती है, जो मौजूदा प्रतिबंधों से बचते हुए दूसरे देशों तक रूसी तेल

पर ऐसे प्रतिबंध लगाने की कोशिश कर चुका है। लेकिन ईरान युद्ध के दौरान होर्मुज स्ट्रेट बंद होने से तेल की सप्लाई पर असर पड़ा और दुनिया में तेल की कमी का डर बढ़ गया। इसके बाद अमेरिकी सरकार को रूस के तेल की बिक्री पर कुछ समय के लिए लगी पाबंदियों में छूट देनी पड़ी थी। ईरान के साथ ट्रैंड करने वाली कंपनियों पर प्रतिबंध बढ़ेगा-बिल के कानून बनने के बाद 1996 का 'ईरान प्रतिबंध कानून' भी 2031 तक बढ़ जाएगा। यह कानून उन गैर-अमेरिकी कंपनियों पर पाबंदी लगाता है, जो ईरान के साथ व्यापार करती हैं। यह कानून इसी साल खत्म होने वाला था। इस बिल से अमेरिकी राष्ट्रपति को यह अधिकार भी मिलेगा कि वे अमेरिका में आने वाले रूसी सामान पर 500फीसदी तक टैरिफ लगा सकें। राष्ट्रपति का यह अधिकार 5 साल तक लागू रहेगा। यूरोपीय देशों को टैरिफ में राहत देगा

दायरे में रखा गया है। हालांकि, जो देश रूस की कुल गैस निर्यात का 15फीसदी से कम आयात करते हैं और अपनी निर्भरता घटाने की दिशा में कदम उठा रहे हैं, उन्हें छूट मिल सकती है। सीनेट में पेश बिल के तहत 15 यूरोपीय देशों को प्रस्तावित 100फीसदी टैरिफ से छूट दी गई है। इन देशों को राहत इसलिए दी गई है, क्योंकि वे रूस से 15फीसदी से कम प्राकृतिक गैस खरीदते हैं और धीरे-धीरे उस पर अपनी निर्भरता भी कम कर रहे हैं। डेमोक्रेट सीनेटर रिचर्ड ब्लूमथेल ने कहा कि यह बिल यूरोपीय सदस्योंगियों के खिलाफ नहीं है। इसका निशाना सिर्फ वे देश हैं, जो अब भी रूस के तेल कारोबार को सबसे ज्यादा आर्थिक सहारा दे रहे हैं। बिल में रूस के ऊर्जा उद्योग, वित्तीय संस्थानों, रक्षा औद्योगिक ढांचे, कारोबारियों और राष्ट्रपति लाइमीर पुतिन तक पर प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव है।

ट्रम्प ने सीएनएन सहित दो और मीडिया हाउस को क्वाइट हाउस से बैन किया,कहा- ये फेक न्यूज फैलाते हैं

वॉशिंगटन डीसी। ट्रम्प पक्षपात का आरोप लगाते रहे हैं-साल 2016



से ही ट्रम्प सीएनएन की खबरों को लगातार 'फेक न्यूज' कहते रहे हैं और उनके कार्यक्रमों में पहले भी इस चैनल के प्रकाशकों के क्वाइट

हाउस पास रोके जा चुके हैं। इसके अलावा उन्होंने 'न्यूयॉर्क टाइम्स'

मानहानि के केस तक दर्ज कराए। ट्रम्प ने इन सभी संस्थानों की रिपोर्टिंग पर खुले तौर पर सवाल उठाए और उन पर जानबूझकर गलत नीयत से खबरे चलाकर उन्हें निशाना बनाने का आरोप लगाया। एपी ने दाव्य किया था केस-न्यूज एजेंसी एसोसिएटेड प्रेस (एपी) ने इस मामले में मुकदमा किया था। यह मामला अभी जारी है। ट्रम्प लंबे समय से उस मीडिया कवरज पर नाराजगी जताते रहे हैं, जिसे वह अपने खिलाफ मानते हैं। उनका मीडिया संस्थानों पर मुकदमे करने और पत्रकारों पर व्यक्तिगत रूप से हमला करने का पुराना रिकॉर्ड है। ट्रम्प पत्रकारों पर आमने-सामने या सोशल मीडिया के जरिए भी निशाना साधते रहे हैं। दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद से ट्रम्प ने न्यूयॉर्क टाइम्स, वॉल स्ट्रीट जर्नल, बीबीसी और अन्य मीडिया संस्थानों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की है।

मोदी को बर्थडे विश करने में थरूर से हुई ग्रामर मिस्टेक,एक यूजर ने गलती बताई, थरूर ने जवाब में कहा- अक्सर ऐसा हो जाता है

नयी दिल्ली। कांग्रेस नेता शशि थरूर ने गुरुवार को पीएम नरेंद्र मोदी को बर्थडे विश किया था। इसके बाद एक एक्स यूजर ने उनके पोस्ट में गलती बताई। थरूर ने शुक्रवार को इसका जवाब दिया। अपने पोस्ट में थरूर ने on his 76th birthday की जगह गह पे 76th birthday लिख दिया था। इस पर एक यूजर ने थरूर को टैग करते हुए लिखा, शशि जी मेड अ ग्रामर मिस्टेक, ईवन इफ इट इन फैंट फिगर यानि शशि जी से ग्रामर की गलती हो गई, भले ही यह टाइपिंग की गलती हो। इस पर थरूर ने जवाब देते हुए कहा, हां, 'ऑन हिज बर्थडे'

की जगह 'इन' लिख दिया। ऐसा अक्सर होता रहता है। इंग्लिश लैंग्वेज



पर अपनी पकड़ और कठिन शब्दों के इस्तेमाल के लिए थरूर जाने जाते हैं। इससे पहले भी शब्दों के इस्तेमाल को लेकर वह चर्चा में रहे हैं। नेपाल बाढ़ पर द्रामा शब्द लिखने के बाद

फिरे थे थरूर-पिछले महीने नेपाल आपदा के दौरान एक्स पर 'द्रामा' शब्द लिखने के बाद थरूर को सोशल मीडिया पर आलोचना का सामना करना पड़ा था।

थरूर ने लिखा था, 'कल काठमांडू के लिए रवाना हुआ था, पहलुओं में ड्रामा और उससे हुई भारी तबाही से पूरी तरह अनजान था।' 'द्रामा' शब्द के इस्तेमाल पर सोशल मीडिया यूजर्स ने सवाल उठाए। एक यूजर ने पूछा कि क्या ऐसी स्थिति के लिए इस शब्द का इस्तेमाल सही है। इसके बाद थरूर ने अपने शब्द का बचाव करते हुए सफाई दी थी।

सऊदी का यूरोप को अगले महीने तेल देने से किया इनकार, इराक से ड्रोन हमले के बाद पाइपलाइन तबाह हुई

रियाद। सऊदी की तेल रिफाइनरी अरामको ने अगले महीने सभी यूरोपीय देशों को कच्चे तेल

रिफाइनरियों को इस कमी को दूसरे स्रोतों से पूरा करना पड़ेगा। होर्मुज की रुकावट के बीच

और यमन के पश्चिमी तट के कई इलाकों पर नियंत्रण कर लिया है। इससे बाब अल-मंदेब में जहाजों



की सफाई रोक दी है। ब्लूमबर्ग के मुताबिक, कंपनी ने कम से कम दो यूरोपीय रिफाइनिंग कंपनियों को इसकी जानकारी दी है। 11 सितंबर के ड्रोन हमले में ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन के तीन पंपिंग स्टेशन क्षतिग्रस्त हुए हैं। सऊदी अरब ने इसके लिए इराक में सक्रिय ईरान समर्थित मिलिशिया को जिम्मेदार ठहराया है। ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन करीब 1,200 किलोमीटर लंबी है। यह सऊदी अरब के पूर्वी हिस्से से तेल को लाल सागर तक पहुंचाती है, जहां से इसे दूसरे देशों में भेजा जाता है। यूरोप की कंपनियां दूसरे रास्ते तलाशने लगीं-पाइपलाइन बंद होने के बाद यूरोप की कुछ कंपनियों ने सऊदी तेल की जगह दूसरे देशों से कच्चा तेल खरीदना शुरू कर दिया है। पोलैंड की तेल कंपनी ऑर्लैंड ने शुक्रवार से अब तक 10 से ज्यादा टैंडर जारी किए हैं, ताकि वैकल्पिक सप्लाई हासिल की जा सके। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के मुताबिक, आईसीडी में शामिल यूरोपीय देशों ने जून में सऊदी अरब से रोजाना करीब 5.77 लाख बैरल कच्चा तेल खरीदा था। अगले महीने सऊदी सप्लाई नहीं मिलने पर यूरोपीय

पाइपलाइन और अहम-ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन ऐसे समय बंद हुई हैं जब पिछले छह महीने से होर्मुज स्ट्रेट में रुकावट के बीच मिडिल ईस्ट से तेल की सप्लाई भभावित हो रही है। सऊदी अरब इस पाइपलाइन के जरिए तेल को लाल सागर तक भेजकर होर्मुज स्ट्रेट पर अपनी निर्भरता कम कर सकता था। इसके जरिए रोजाना करीब 40 लाख से 50 लाख बैरल कच्चा तेल भेजा जा रहा था। यह मात्रा दुनिया की कुल तेल सप्लाई का करीब 4 से 5फीसदी है। इसी वजह से यह पाइपलाइन सऊदी अरब के लिए बेहद अहम रास्ता बनी हुई थी। अब इसके बंद होने से सऊदी तेल की सप्लाई के लिए वैकल्पिक रास्तों और स्रोतों पर दबाव बढ़ गया है। साथ ही, यूरोपीय खरीदारों को सऊदी तेल की जगह दूसरे स्रोतों पर निर्भर रहना पड़ेगा। होर्मुज के बाद बाब अल-मंदेब पर भी बढ़ा खतरा-होर्मुज के बाद अब बाब अल-मंदेब स्ट्रेट पर भी संकट बढ़ गया है। यमन में ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने लाल सागर के किनारे तेजी से अपना कब्जा बढ़ाया है। हाल की रिपोर्टों के मुताबिक, हूतियों ने पेरिम द्वीप

की आवाजाही पर खतरा बढ़ गया है। बाब अल-मंदेब एशिया और यूरोप के बीच जहाजों की आवाजाही का अहम रास्ता है। लाल सागर और स्वेज नहर के जरिए इसी रास्ते से तेल और दूसरे सामान से ठेके जहाज यूरोप और दूसरे बाजारों तक पहुंचते हैं। हाल की स्थिति के कारण यहां से गुजरने वाले जहाजों की संख्या भी प्रभावित हुई है। भारत सऊदी से कितना तेल खरीदता है? भारत सऊदी अरब से हर साल करोड़ों टन कच्चा तेल खरीदता है। वित्त वर्ष 2024-25 में भारत ने सऊदी से 33.14 मिलियन टन यानी करीब 3.31 करोड़ टन कच्चा तेल खरीदा। यह भारत के कुल कच्चे तेल आयात का 13.58फीसदी था। यानी सऊदी की सप्लाई में बड़ी रुकावट आती है तो भारत को भी वैकल्पिक सप्लायरों से ज्यादा तेल खरीदना पड़ सकता है।

हालांकि, भारत के पास रूस, इराक, अमेरिका, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका जैसे दूसरे स्रोत भी हैं, इसलिए सऊदी से सप्लाई घटने का मतलब यह नहीं है कि भारत में तुरंत तेल की कमी हो जाएगी।

भारतीय अर्थव्यवस्था जी20 देशों में सबसे तेज बढ़ सकती है, मूडीज ने जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 6फीसदी से बढ़ाकर 7फीसदी किया

नयी दिल्ली। भारत की अर्थव्यवस्था इस साल जी20 देशों में सबसे तेज बढ़ सकती है। ग्लोबल रेटिंग एजेंसी मूडीज ने यह अनुमान लगाया है। एजेंसी ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की जीडीपी ग्रोथ



का अनुमान 6फीसदी से बढ़ाकर 7फीसदी कर दिया है। मूडीज का कहना है कि मिडिल ईस्ट में तनाव और संघर्ष के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था पर इसका असर अनुमान से काफी कम पड़ा है। मजबूत घरेलू खपत, इंफ्रास्ट्रक्चर पर सरकारी खर्च, प्राइवेट इन्वेस्टमेंट में सुधार के संकेत और सर्विस सेक्टर की लगातार मजबूती से भारतीय अर्थव्यवस्था की रफ्तार बनी हुई है। आईएमएफ, आरबीआई और एस&पी से काफी आगे निकला मूडीज का अनुमान-मूडीज का नया अनुमान देश और दुनिया की दूसरी बड़ी वित्तीय संस्थाओं के मुकाबले काफी ज्यादा है। इस साल की शुरुआत में दुनिया में बढ़ती अनिश्चितता के कारण कई एजेंसियों ने भारत की विकास दर का अनुमान घटा दिया था। इसके उलट, मूडीज ने भारत की अर्थव्यवस्था की तेज रफ्तार पर ज्यादा भरोसा जताया है। घरेलू मांग और सर्विस सेक्टर बने ग्रोथ के मुख्य पिलर-मूडीज के मुताबिक, भारत की इस तेज ग्रोथ की सबसे बड़ी वजह देश में बढ़ती मांग है। लोगों का खर्च बढ़ा है और कंपनियों के निवेश में भी तेजी बनी हुई है। कंपनियों और प्राइवेट सेक्टर की ओर से नए निवेश के संकेत मिलने लगे हैं। वहीं, सर्विस सेक्टर भी लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। इससे भारत की अर्थव्यवस्था को बाहरी झटकों से उबरने में मदद मिली है। रेटिंग बाउअउ और 'स्टेबल' आउटलुक को बरकरार

रखा-मूडीज ने भारत की क्रेडिट रेटिंग बाउअउ पर बरकरार रखी है। साथ ही, देश का आउटलुक 'स्टेबल' यानी स्थिर रखा है। मूडीज के मुताबिक, भारत की अर्थव्यवस्था बड़ी है और कई अलग-अलग क्षेत्रों पर टिकी है। हालांकि, सरकार पर कर्ज का बोझ और लोगों की कम प्रति व्यक्ति आय अब भी बड़ी चुनौतियां हैं। कच्चे तेल की कीमतें और महंगाई अभी भी चिंता का विषय-मूडीज ने चेतावनी दी है कि भले ही जीडीपी ग्रोथ का अनुमान बढ़ाया गया है, लेकिन जोखिम पूरी तरह खत्म नहीं हुए हैं। ऊर्जा की कीमतें: यदि मिडिल ईस्ट में युद्ध लंबा खींचता है, तो कच्चे तेल की कीमतें बढ़ सकती हैं। महंगाई: तेल महंगा होने से वित्त वर्ष 2026-27 में महंगाई दर मूडीज के 4.8फीसदी के अनुमान से ऊपर जा सकती है जबकि वित्त वर्ष 2025-26 में यह 2.4फीसदी थी। अल नीनो का असर: मौसम संबंधी अनिश्चितताओं से खाने-पीने के दाम बढ़ सकते हैं, जिससे आम जनता के खर्च करने की क्षमता प्रभावित हो सकती है। हालांकि, भारत के पास विदेशी मुद्रा का बड़ा भंडार है और वह कई देशों से कच्चा तेल खरीदता है। इससे दुनिया में होने वाले अचानक बदलावों का भारत की अर्थव्यवस्था पर असर कम करने में मदद मिलेगी। सरकारी खजाने का घाटा कम करने की रफ्तार धीमी रह सकती है-रिपोर्ट के मुताबिक, सरकार बजट घाटा कम करने के अपने लक्ष्य पर कायम है। सरकार इसे पिछले साल के 4.4फीसदी से घटाकर वित्त वर्ष 2026-27 में 4.3फीसदी करना चाहती है। हालांकि, अगर दुनिया में ऊर्जा के दाम बढ़ते हैं तो सरकार को लोगों को राहत देने के लिए ज्यादा सब्सिडी देनी पड़ सकती है। इसके अलावा, रक्षा और इंफ्रास्ट्रक्चर पर ज्यादा खर्च की जरूरत है। ऐसे में सरकार के कर्जों को तेजी से कम करना मुश्किल हो सकता है।

फ्रांस में स्मार्ट चश्मे से महिलाओं की रिकॉर्डिंग पर जांच,बिना पर्मिशन वीडियो सोशल मीडिया पर डाले पिछले साल मेटा के 70 लाख चश्मे बिके

पेरिस। फ्रांस में स्मार्ट चश्मों से महिलाओं के बिना अनुमति वीडियो बनाने के मामलों की जांच शुरू हुई है। सोशल मीडिया पर कुछ लोग सड़क पर महिलाओं के वीडियो बनाकर उन्हें इंटनेट पर डाल रहे थे। इसी को लेकर योन उत्पीड़न की शिकायतें मिली हैं। इन चश्मों में छेदा कैमरा लगा होता है। इन्हें पहनने वाला बिना मोबाइल निकाले वीडियो बना सकता है। यही वजह है कि इनके गलत इस्तेमाल को लेकर दुनिया के कई देशों में चिंता बढ़ रही है। इन स्मार्ट चश्मों में मेटा के चश्मे सबसे ज्यादा लोकप्रिय हैं। मेटा ने ये चश्मे, चश्मा बनाने वाली कंपनी एस्सिलोरलक्सोटिका के साथ मिलकर बनाए हैं। पिछले साल इनके करीब 70 लाख चश्मे बिके थे। फ्रांस में निजी वीडियो बनाने पर एक साल तक जेल का नियम-रियटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, पेरिस पुलिस ने बताया कि इस मामले में एक आपराधिक जांच शुरू की गई है। हालांकि, पुलिस ने यह नहीं बताया कि महिलाओं के वीडियो बनाने के लिए किस कंपनी के चश्मे का इस्तेमाल किया गया था। पुलिस की साइबर क्राइम टीम ने दो हफ्ते पहले इन चश्मों को खुद इस्तेमाल करके देखा। पुलिस यह पता करना चाहती थी कि इनसे किस तरह के गलत काम किए जा सकते हैं। फ्रांस में किसी व्यक्ति की निजी जगह पर बिना अनुमति उसकी तस्वीर या वीडियो बनाने पर एक साल तक जेल और



महिलाओं को खास तौर पर निशाना बनाया जा रहा है। महिला अधिकारों के लिए काम करने वाली चश्मे गिराईं ने कहा कि इसका समाधान यह नहीं हो सकता कि जिस व्यक्ति की रिकॉर्डिंग हो रही है, उसी से कहा जाए कि वह ज्यादा सावधान रहें। उनका कहना है कि स्मार्ट चश्मे बनाने वाली कंपनियों को भी यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनकी तकनीक का इस्तेमाल लोगों को परेशान करने या उनकी निजता भंग करने के लिए न हो। दूसरे देशों में भी स्मार्ट चश्मों पर सवाल-जर्मनी: मेटा और

स्मार्ट चश्मे से जुड़ी कई कंपनियों के खिलाफ आपराधिक शिकायत दर्ज की गई है। अमेरिका: एक व्यक्ति ने हिरासत केंद्र के अंदर लोगों के वीडियो चुपके से रिकॉर्ड

स्मार्ट चश्मों का इस्तेमाल सिर्फ वीडियो बनाने के लिए नहीं हो रहा है। अमेजन डिलीवरी के काम में भी ऐसे चश्मों का इस्तेमाल करने की तैयारी कर रही है। कंपनी ऐसे चश्मे बना रही है, जिनसे डिलीवरी कर्मचारी बिना मोबाइल निकाले पैकेज स्कैन कर सकेंगे, रास्ता देख सकेंगे और सामान पहुंचाने के बाद उसकी तस्वीर ले सकेंगे। रास्ते में कुत्ता या कोई दूसरी रुकावट होने पर चश्मा अलर्ट भी दे सकता है। अमेजन ने इन चश्मों को डिलीवरी कर्मचारियों के साथ टेस्ट किया है। मेटा बिना कैमरे वाला स्मार्ट चश्मा ला सकता है- स्मार्ट चश्मों को लेकर उठ रहे निजता के सवालों के बीच मेटा एक ऐसा नया चश्मा लाने की तैयारी कर रहा है, जिसमें कैमरा नहीं होगा। रिपोर्ट के मुताबिक, इसका नाम लूना हो सकता है। इस चश्मे में छह माइक्रोफोन और कान के पास स्पीकर होंगे। इनके जरिए यूजर मेटा के एआई से बात कर सकता। यानी एआई इस्तेमाल करने के लिए कैमरे की जरूरत नहीं होगी। चश्मे में एआई को चालू करने के लिए एक अलग बटन भी दिया जा सकता है। यह सामान्य चश्मे जैसा ही दिखेगा। मेटा इसे वलबमास्टर और बरबैक नाम के नए डिजाइन में ला सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, मेटा 23 सितंबर से होने वाले अप्रैल डेवलपर कार्यक्रम में इसकी घोषणा कर सकता है। इसकी बिक्री इस साल के आखिर में शुरू होने की बात कही गई है।

सुप्रीम कोर्ट की सलाह- युवा वकील सीनियर्स से ट्रेनिंग लें, उनके बिना पेशे की बारीकियां नहीं जान सकते, कोर्ट में क्या नहीं बोलना यह भी जाने

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कोर्ट रूम में मौजूद युवा वकीलों से कहा कि सीनियरों के साथ ट्रेनिंग के बिना वे पेशे की बारीकियां नहीं सीख पाएंगे। युवा वकीलों को यह पता होना चाहिए कि कोर्ट में क्या बोलना है और क्या नहीं। ये बातें जस्टिस बीवी नागरत्ना और ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने वे टिप्पणियां बॉम्बे हाईकोर्ट के एक आदेश से जुड़ी याचिका पर सुनवाई के दौरान कीं। जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि कुछ युवा बिना ट्रेनिंग सीधे अपना काम शुरू कर रहे हैं। यह बिल्कुल सही नहीं है। युवा सीनियर्स के पास जाएं, वे सही दिशा दिखाएंगे-जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि युवा वकीलों को सीनियरों के पास जाना चाहिए। सीनियर उन्हें सही दिशा दिखाएंगे। उन्होंने कहा, 'हम जानते हैं कि आजकल युवा महत्वाकांक्षी

हैं। लेकिन सीनियरों के साथ ट्रेनिंग के बिना वे काम नहीं सीख पाएंगे।'बयह प्रक्रिया पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलती आ रही है। सम्मानित पेशे

कि युवा वकीलों को कोर्ट में बैठकर कार्यवाही भी देखनी चाहिए। बेंच ने कहा- 'युवा वकील डिग्री हासिल करने के बाद जल्द ही अपना



की बारीकियां और अच्छी सॉफ्ट स्किल्स कहा हैं? आपको पास हाईवेयर हो सकता है, लेकिन सॉफ्ट स्किल्स हर दिन विकसित

करनी पड़ती हैं।' जस्टिस नागरत्ना ने कहा, 'हमें बार और बार के भाषिया की चिंता है। कोर्ट की कार्यवाही देखकर युवा वकील समझ सकते हैं कि कौन-सी गलतियां नहीं करनी चाहिए। जस्टिस नागरत्ना ने अपने शुरुआती दिन याद किए-जस्टिस नागरत्ना ने वकील के रूप में अपने शुरुआती दिनों को याद किया। उन्होंने कहा, 'जब मैं युवा थी, तब मेरे पास कभी-कभार सिर्फ एक मामला या एक मेंशनिंग होती थी। लेकिन मैं कुछ कोर्ट हॉल में जाकर बैठती थी। खासकर, कठिन जजों की अदालतों में।' जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि ऐसा करने से वे जजों के सख्त रवैए की अभ्यस्त हो जाती थीं। अगली बार वहां मामला आने पर उन्हें पहले से पता होता था कि जज को देखकर कैसे जवाब देना है और क्या कहना है।

20 सितंबर को सोनभद्र आएंगे रालोद के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष अनुपम मिश्रा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रॉबर्ट्सगंज। राष्ट्रीय लोक दल के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष श्री अनुपम

दी। उन्होंने बताया कि रॉबर्ट्सगंज विजय गढ़ वाटिका में आयोजन किया जायेगा सम्मेलन में जिले के

विचार-विमर्श किया जाएगा। उन्होंने जिले के पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से सम्मेलन में



मिश्रा 20 सितंबर को सोनभद्र के दौरे पर आएंगे। इस दौरान वह जिला कार्यकर्ता सम्मेलन में शामिल होंगे। दौरे और सम्मेलन की जानकारी शुक्रवार को रालोद जिला कार्यालय पर आयोजित प्रेस वार्ता में कार्यक्रम के आयोजक एवं जिला संगठन महासचिव धीरज चौबे ने

विभिन्न क्षेत्रों से पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल होंगे। कार्यक्रम को लेकर संगठन की ओर से तैयारियां की जा रही हैं। धीरज चौबे ने कहा कि कार्यकर्ता सम्मेलन के माध्यम से संगठनात्मक गतिविधियों और आगामी कार्यक्रमों को लेकर कार्यकर्ताओं के साथ

अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील की। प्रेस वार्ता में राष्ट्रीय लोक दल के जिला उपाध्यक्ष चंद्रशेखर विश्वकर्मा, भोलानाथ पांडेय, आशीष मिश्रा सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। रक्त जानकारी रालोद मीडिया प्रभारी विकास पाण्डेय ने दी है।

‘सेवा ही संकल्प’ एवं ‘स्वच्छता ही सेवा’ अभियान के अंतर्गत हुआ वृक्षारोपण कार्यक्रम, करमा लोक नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति ने बांधा समां, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश
जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने पौधरोपण कर स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति किया जागरूक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिला गंगा समिति, सोनभद्र के तत्वावधान में वन विभाग, सोनभद्र

एवं विधायक श्री भूपेश चौबे की भी गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के दौरान सोनभद्र के मूल निवासी

संदेश दिया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य जनसामान्य को अधिक से अधिक पौधरोपण करने, स्वच्छता बनाए रखने



एवं नगर पंचायत चुर्के के संयुक्त सहयोग से ‘सेवा ही संकल्प’ एवं ‘स्वच्छता ही सेवा’ अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में माननीय सांसद, खजुराहो (मध्य प्रदेश) उपस्थित रहे। इस अवसर पर विधायक श्री अनिल मौर्य

कलाकारों द्वारा पारंपरिक ‘करमा लोक नृत्य’ की मनमोहक प्रस्तुति दी गई, जिसने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सहित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों द्वारा पौधरोपण किया गया तथा पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता का

प्रतिनिधि श्री ओम प्रकाश यादव, डीपीओ श्री महेंद्र गौतम, चुर्के रेंज ऑफिसर श्री अभिषेक यादव, डिप्टी आरएफओ श्री सौरभ भार्गव, जेआरएफ श्री प्रमोद, वन दरोगा श्री दीपक पटेल सहित वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, नगर पंचायत की टीम एवं आमजन उपस्थित रहे।

किशोरियों को दिया गया स्वरक्षा एवं महिला अधिकारों का प्रशिक्षण, गुड टच-बैड टच, हेल्पलाइन एवं सरकारी योजनाओं की दी गई जानकारी

138 महिलाओं एवं बालिकाओं ने कार्यक्रम में किया प्रतिभाग (आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र, 18 अगस्त 2026। जिलाधिकारी महोदय वेड निर्देशानुसार महिला कल्याण

रोकथाम तथा महिला एवं बालिकाओं के अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान महिला हेल्पलाइन, वन स्टॉप सेंटर,



विभाग, सोनभद्र द्वारा हब फॉर एम्पावरमेंट ऑफ वूमन, वन स्टॉप सेंटर, चाइल्डलाइन एवं हंस फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में विकास खंड चोपन के पंचायत भवन चौरा में किशोरियों एवं महिलाओं के लिए जागरूकता एवं स्वरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में किशोरियों को लैंगिक संवेदनशीलता, आत्मरक्षा के प्रभावी उपाय, आत्मविश्वास एवं नेतृत्व क्षमता के विकास, सुरक्षा तथा पीओएसएच एक्ट और दहेज प्रतिबंध अधिनियम के संबंध में जानकारी दी गई। साथ ही गुड टच-बैड टच, लैंगिक उत्पीड़न की

बाल सेवा योजना, स्पॉन्सरशिप योजना, निराश्रित महिला पेंशन एवं मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए पॉपलैट वितरित किए गए। बालिकाओं को किसी भी समस्या की स्थिति में 181, 1098, 112, 102, 1090 एवं 1076 हेल्पलाइन नंबरों का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम में सफरहीन, विजय कुमार पटेल, डिप्टी मैनेजर शिखा सिंह, आरती, अंगारा, मानती, पिकी, शोला, सुनीता सहित लगभग 138 महिलाओं एवं बालिकाओं ने प्रतिभाग किया।

सोनभद्र में लेबर अंडे पर आयोजित हुआ ‘श्रमिक सम्मान स्वास्थ्य शिविर’, सैकड़ों श्रमिकों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। नगर के लेबर अंडे के पास आज श्रमिकों के स्वास्थ्य सुरक्षा एवं कल्याण के उद्देश्य से ‘श्रमिक सम्मान स्वास्थ्य शिविर’ का सफल आयोजन किया गया। शिविर में सैकड़ों श्रमिकों ने भाग लिया और अपनी स्वास्थ्य जांच कराई। कार्यक्रम में श्रम प्रवर्तन अधिकारी प्रतिपाल वर्मा एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. जे.पी. सिंह उपस्थित रहे। शिविर में निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण, डॉक्टरों की टीम द्वारा श्रमिकों का बी.पी., शुगर एवं अन्य सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें आवश्यक चिकित्सीय परामर्श

और दवाइयां दी गईं। श्रम प्रवर्तन अधिकारी प्रतिपाल वर्मा ने उपस्थित श्रमिकों को श्रम विभाग द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं, सुरक्षा मानकों और हितलाभों के बारे में विस्तार से जागरूक किया। श्रमिकों को योजनाओं का सीधा लाभ दिलाने के लिए उनके पंजीयन और ई-श्रम कार्ड से जुड़ी प्रक्रिया की जानकारी भी साझा की गई। स्वास्थ्य शिविर के समापन पर अधिकारियों ने आभार व्यक्त किया कि श्रमिकों के हित और स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए इस तरह के आयोजन आगे भी नियमित रूप से किए जाते रहेंगे।

प्रधानमंत्री जी के जन्मदिवस पर विकास भवन परिसर में लगी विकास प्रदर्शनी, केंद्र एवं प्रदेश सरकार की विकासपरक योजनाओं एवं उपलब्धियों को प्रदर्शनी के माध्यम से किया गया प्रदर्शित

भाजपा जिलाध्यक्ष ने जनपदवासियों से प्रदर्शनी का अवलोकन करने की अपील की

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। गुरुवार को माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के जन्मदिवस के अवसर पर सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आज 17 सितम्बर 2026 को विकास भवन परिसर, सोनभद्र में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, सोनभद्र द्वारा केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी एवं विकासपरक योजनाओं, विकास कार्यों तथा

उपलब्धियों पर आधारित विकास प्रदर्शनी लगाई गई। प्रदर्शनी का उद्घाटन भाजपा जिलाध्यक्ष श्री नंदलाल गुप्ता, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रूबी प्रसाद एवं मुख्य विकास अधिकारी श्रीमती जागृति अवस्थी ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष श्री नंदलाल गुप्ता ने उपस्थित जनमानस को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री

नरेन्द्र मोदी जी एवं मुख्यमंत्री श्री योगी

आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा जनहित में अनेक विकासपरक एवं जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं।

इन्हीं योजनाओं, विकास कार्यों एवं उपलब्धियों को आमजन तक पहुंचाने के उद्देश्य से यह प्रदर्शनी आयोजित की गई है।

सेवा संकल्प अभियान का शुभारम्भ, 209 नवचयनित आंगनबाड़ी सहायिकाओं को वितरित हुए नियुक्ति पत्र, आंगनबाड़ी सहायिकाओं की नियुक्ति से बाल विकास योजनाओं को मिलेगा और अधिक प्रभावी स्वरूप सेवा संकल्प अभियान के तहत दिव्यांग लाभार्थियों एवं प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के लाभार्थियों को भी मिला लाभ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। गुरुवार को जनपद सोनभद्र के विकास खण्ड घोरावल में आज दिनांक 17.09.2026 को

कार्यक्रम अधिकारी, सोनभद्र श्री विनीत कुमार सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम में विधायक घोरावल डॉ० अनिल कुमार मौर्य,

मिलेगी। इस अवसर पर विधायक जी द्वारा दिव्यांग एवं विकलांग श्रेणी के 06 लाभार्थियों को श्रवण मशीन एवं स्मार्ट स्टिक



प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के सार्वजनिक जीवन में जनसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 17 सितम्बर 2026 से 17 अक्टूबर 2026 तक चलाए जा रहे एक माह के राष्ट्रीय ‘सेवा संकल्प अभियान’ का शुभारम्भ किया गया। इसी क्रम में बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित पौषण माह सितम्बर 2026 के अंतर्गत बाल विकास परियोजना घोरावल के विकास खण्ड घोरावल एवं करमा के आंगनबाड़ी केन्द्रों हेतु नवचयनित 209 आंगनबाड़ी सहायिकाओं को माननीय विधायक घोरावल डॉ० अनिल कुमार मौर्य के कर-कमलों द्वारा नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम का संचालन जिला

लॉक प्रमुख श्री दीपक सिंह पटेल, खण्ड विकास अधिकारी घोरावल, बाल विकास परियोजना अधिकारी तथा अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। विधायक घोरावल डॉ० अनिल कुमार मौर्य ने अपने संबोधन में कहा कि भारत सरकार एवं राज्य सरकार के संयुक्त प्रयासों के अंतर्गत आंगनबाड़ी केन्द्रों को आधुनिक एवं डिजिटल बनाने के लिए सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने समाज में महिलाओं की सहभागिता बढ़ाने तथा महिला सशक्तिकरण पर जोर देते हुए कहा कि महिलाओं के विकास से जन-जागरूकता अभियानों को और अधिक गति

से लाभान्वित 1200 आंगनबाड़ी सहायिकाओं की नियुक्ति की गई है। जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री विनीत कुमार सिंह ने अपने संबोधन में नवचयनित आंगनबाड़ी सहायिकाओं को उनसे कार्यदायित्वों के प्रति अवगत कराया। उन्होंने उन्हें मिलने वाले विभिन्न लाभों, जैसे मानव्य बुद्धि, प्रोत्साहन राशि तथा आयुष्मान कार्ड से जोड़े जाने के संबंध में भी जानकारी दी। उन्होंने बाल विकास विभाग की सामाजिक महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आंगनबाड़ी सहायिकाओं के माध्यम से धरातल पर विभागीय योजनाओं का क्रियान्वयन और अधिक पारदर्शी एवं प्रभावी ढंग से सुनिश्चित किया जा सकेगा।



NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE

(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)

सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी

फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लांट, माइनिंग इण्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रॉनिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोट: फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश-विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।

Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480



बच्चे को सलमान के बॉडीगार्ड से लगा धक्का, एक्टर ने देखा तो बच्चे से हाथ मिलाया- दर्शन करने पहुंचे थे गणपति बप्पा के

मुंबई। सलमान खान गुरुवार को महाराष्ट्र सरकार में मंत्री और भाजपा नेता आशीष शेलार के



मुंबई स्थित आवास और पंडाल में बप्पा के दर्शन करने पहुंचे थे। गणपति उत्सव में शामिल होने के बाद जब वे बाहर निकलने लगे तो फैंस और पैराजो की बड़ी भीड़ जमा हो गई। इसी दौरान भीड़ में खड़े एक बच्चे को गलती से बॉडीगार्ड ने धक्का मार दिया। सलमान ने बच्चे को देखा तो उसके पास जाकर प्यार से हाथ मिलाया। भारी भीड़ के बीच सलमान लोगों से रास्ता साफ करने का इशारा करते नजर आए, ताकि वे वहां से निकल सकें। परिवार के साथ गणपति उत्सव में शामिल हुए थे-सलमान खान मुंबई में गणेश चतुर्थी समारोह में लगातार शामिल हो रहे हैं। वे अपने परिवार के साथ भी गणपति उत्सव और पारंपरिक आरती में शामिल हुए थे। अभिनेता बांद्रा में अपने भाई सोहेल खान के घर भी पहुंचे थे। इसके बाद उन्होंने परिवार के साथ गणपति विसर्जन में हिस्सा लिया था। सलमान मंगलवार को खान परिवार के गणपति विसर्जन में शामिल हुए थे। उन्होंने परिवार के साथ बप्पा की आरती की। इस बार खान परिवार ने सोहेल खान के घर गणेश चतुर्थी का आयोजन किया था। विसर्जन के दौरान का एक वीडियो भी सामने आया था, जिसमें सलमान गणपति बप्पा की उल्टी आरती करते दिखे थे। कुछ देर बाद बहन अर्पिता ने उन्हें टोकते हुए सही तरीका बताया, जिसके तुरंत बाद सलमान ने गलती सुधार ली थी। सलमान खान के परिवार के गणपति विसर्जन में उनकी दोस्त यूलिया

रणवीर सिंह ने 1000 बेटियों की पढ़ाई का संकल्प लिया,लालबागचा राजा पहुंचे थे, बोले- आशा है, इससे बप्पा प्रसन्न होंगे

मुंबई। एक्टर रणवीर सिंह ने मुंबई के प्रसिद्ध लालबागचा राजा पंडाल में पहुंचकर गणपति बप्पा



के दर्शन किए। इस दौरान उन्होंने 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत 1000 बेटियों की शिक्षा में मदद करने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि बप्पा का आशीर्वाद लेकर आगे के सफर के लिए उनका आशीर्वाद मांगा। रणवीर ने बप्पा को धन्यवाद दिया-न्यूज18 को दिए भी अभियान से जुड़े हैं-रणवीर के अलावा आलिया भट्ट और रणवीर कपूर भी कल इस अभियान से जुड़े हैं। दोनों ने 20 स्कूलों के पुनर्निर्माण का संकल्प लिया है। गुरुवार को आलिया ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर पीएम मोदी को जन्मदिन की शुभकामनाएं

इंटरव्यू में रणवीर ने कहा, 'बहुत अच्छा लग रहा है यहां आकर। जो पिछला साल गुजरा है, मेरे लिए और मेरे परिवार के लिए खुशियों से भरा रहा, बप्पा की कृपा से। तो यहां आए हैं उनके दर्शन करने, उनको धन्यवाद कहने और उनका आशीर्वाद लेने, आगे के सफर के लिए, जीवन के सफर के लिए।' उन्होंने आगे कहा, 'हमारा आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिन के अवसर पर, मैं सेवा संकल्प अभियान से जुड़कर हजार बेटियों की पढ़ाई में मदद करने का संकल्प लेता हूं। आशा है कि इसके चलते बप्पा प्रसन्न होंगे और उनका आशीर्वाद हमेशा हम पर रहेगा। जब, धन्यवाद। जय गणेश।' 'सेवा संकल्प अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन और जनसेवा के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर शुरू किया गया है। यह अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक

दी। साथ ही आलिया ने 'सेवा संकल्प अभियान' की भावना की भी तारीफ की। उन्होंने इसे समाज के लिए कुछ करने और मिलकर काम करने की साच बताया। रणवीर अंबानी परिवार के घर पहुंचे थे-इससे पहले रणवीर सिंह अंबानी परिवार के घर 'एंटीलिया' में आयोजित गणेशोत्सव में शामिल होने पहुंचे थे। इसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। इस वीडियो में शाहरुख और रणवीर एक साथ गणपति की आरती करते नजर आ रहे हैं। दोनों एक्टर्स नीता अंबानी के साथ खड़े होकर पूजा-अर्चना में शामिल हुए। वीडियो में रणवीर सिंह सफेद रंग के कुर्ते-पायजामे में नजर आए। वहीं शाहरुख खान भी फेस्टिवल के हिसाब से सफेद शर्ट और ब्लैक ट्राउजर पहनना। नीता अंबानी पारंपरिक परिधान में दोनों अभिनेताओं के पास खड़ी होकर प्रार्थना करती दिख रही हैं।

लोकेशन अच्छी हैं, कैमरा वर्क बढ़िया है और एक्शन सीक्वेंस में पैसा साफ दिखाई देता है। लेकिन दूसरे हाफ में फिल्म की रफ्तार गिर जाती है। कुछ सीन्स जरूरत से ज्यादा लंबे लगते हैं और कहानी कई जगह खिंचती हुई महसूस होती है। फिल्म में कमियां क्या हैं- सबसे बड़ी कमी है ओवरडोज। फिल्म में कॉमेडी चाहिए थी, लेकिन बाद में एक्शन भी चाहिए, थ्रिल भी चाहिए, बड़ा विलेन भी चाहिए और देश बचाने वाला ड्रामा भी चाहिए। सब कुछ चाहिए और जब फिल्म सब कुछ देने लगती है, तो जो सबसे अच्छा था हादिक और बरस की कॉमेडी वहीं पीछे छूट जाती है। रोमांस भी थोड़ा लंबा है और क्लाइमैक्स तक आते-आते फिल्म जरूरत से ज्यादा ओवर-द-टॉप हो जाती है और कुणाल का शर्ट उतारकर मसल्स दिखाने वाला सीना। भाई, ये कॉमेडी फिल्म है या अचानक फिटनेस विज्ञापन? फिल्म का म्यूजिक कैसा है-म्यूजिक ठीक है, लेकिन ऐसा कुछ नहीं जो फिल्म खत्म होने के बाद साथ बाहर आए। कुछ गाने अच्छे लगते हैं, लेकिन कुछ जगह ये कहानी की रफ्तार को और धीमा करते हैं। फिल्म को लेकर फाइनल वर्डिट- 'वाइब' का पहला हाफ बताता है कि कुणाल खेमु एक और शानदार कॉमेडी दे सकते थे।

दूसरा हाफ बताता है कि उन्होंने खुद ही फिल्म को ज्यादा बड़ा बनाने के चक्कर में मामला बिगाड़ दिया। कुणाल और स्पर्श की जोड़ी फिल्म की जान है। कुछ संवाद और सीन्स सच में मजेदार हैं। बस दिक्कत यही है कि फिल्म को जितना कम दिखाना चाहिए था, उससे ज्यादा दिखा दिया गया। शुरुआत में वाइब सेट होती है, इंटरवल के बाद फिल्म खुद ही उसे बिगाड़ देती है।

मूवी रिव्यू

'वाइब'-कुणाल खेमु की फिल्म पहले हंसाती है, लेकिन इंटरवल के बाद समझना मुश्किल हो जाता है- क्या हो रहा है?

मुंबई। रेटिंग: 2/5, अवधि: 2 घंटे 25 मिनट, शैली: कॉमेडी, निर्देशक: कुणाल खेमु, मुख्य कलाकार: कुणाल खेमु, स्पर्श श्रीवास्तव, प्रीति जिंटा, वंशिका धीर, यशपाल शर्मा, दिनेश लाल यादव, रिलीज डेट: 18 सितंबर 2026, कुणाल खेमु की फिल्म 'वाइब' शुरू होते ही पुरानी याद ताजा करती है। 'मडगांव एक्सप्रेस' में तीन दोस्तों की जिंदगी में बवाल था, यहां दो दोस्त हैं और बवाल सीधा देश की सुरक्षा तक पहुंच गया है। हादिक और बरस की जोड़ी शुरू में कमाल लगती है। दोनों की केमिस्ट्री, कुणाल का टाइमिंग वाला ह्यूमर और कुछ मजेदार संवाद फिल्म को अच्छी रफ्तार देते हैं। पहला हाफ देखकर लगता है चलो भाई, कुणाल फिर फॉर्म में हैं। फिर इंटरवल होता है और फिल्म अपना ट्रैक बदल देती है। फिल्म की कहानी कैसे है- हादिक यानी कुणाल खेमु नशे की लत से बाहर निकलकर जिंदगी को दोबारा पटरी पर लाने की कोशिश कर रहा है। उसका दोस्त बरस यानी स्पर्श श्रीवास्तव उसे अपनी सॉफ्टवेयर कंपनी में नौकरी दिला देता है। लेकिन हादिक का ध्यान नौकरी से ज्यादा नई इंटरन करीना यानी वंशिका धीर पर है। दोनों के बीच बात आगे बढ़ती है और फिर एक ऐसा मामला सामने आता है, जिसकी वजह से हादिक और बरस की एंट्री हो जाती है। मैडम एच यानी प्रीति जिंटा की दुनिया में। अब ये दोनों पहुंच जाते हैं एक ऐसे मिशन में, जिसके लिए शायद इनसे ज्यादा गलत लोगों को चुनना मुश्किल था। यही तब फिल्म काफी मजेदार है। इसके बाद कहानी में गैंगस्टर, आतंकवाद,



रोह में शानदार काम किया है। वह बेवकूफ दिखते हुए भी प्यारे लगते हैं और उनकी बॉडी लैंग्वेज कई बार खुद ही हंसा देती है। हालांकि परेशानी यह है कि उनका यह अंदाज अब थोड़ा जाना-पहचाना लगता है। 'मडगांव एक्सप्रेस', 'लुटकेस' और 'गो गोवा गॉन' के बाद इस बार वही मजाकिया कुणाल कुछ नया कम देते हैं। स्पर्श श्रीवास्तव सबसे बड़ा सपाइज हैं। बरस के रोल में उनकी चबराहट और चेहरे के एक्सप्रेशन कई बार कुणाल से भी ज्यादा हंसा देते हैं। प्रीति जिंटा की मैडम एच स्टाइलिश है और उनका एक्शन सीन फिल्म के मजेदार हिस्सों में आता। वंशिका धीर खूबसूरत दिखती हैं, लेकिन उनके रोल में

मेनोपॉज के बाद जल्दी आता बुढ़ापा,मसल्स-हड्डियां होतीं कमजोर, शुरू करें वेट ट्रेनिंग, डाक्टर से जानें इसके फायदे

जयपुर। 50 की उम्र तक आते-आते महिलाओं को लगता है कि शरीर पहले की तरह उनका साथ नहीं दे रहा। सीढ़ियां चढ़ते समय जल्दी थकान होना, वजन बढ़ना, ताकत कम होना और जोड़ों में दर्द जैसी समस्याएं कॉमन हो जाती

बढ़ जाती हैं? जवाब- मेनोपॉज के बाद शरीर में एस्ट्रोजन हार्मोन का लेवल कम होने लगता है। इसकी वजह से- मांसपेशियां कमजोर होने लगती हैं। हड्डियों की डेंसिटी घटने लगती है। वजन बढ़ने का रिस्क बढ़ जाता है। ऐसे में वेट ट्रेनिंग हार्मोन एक्टिव होते हैं। इससे मसल्स की मजबूती और ग्रोथ में मदद मिलती है। सवाल- वेट ट्रेनिंग का वेट मैनेजमेंट से क्या कनेक्शन है? जवाब- हां, रेगुलर वेट ट्रेनिंग डायबिटीज और हार्ट डिजीज का रिस्क कम करती है। यह ब्लड शुगर को कंट्रोल करने में मदद करती है। इससे इंसुलिन सेंसिटिविटी बढ़ती है और टाइप-2 डायबिटीज का रिस्क कम होता है। वेट ट्रेनिंग एलटीएल (बैंड कोलेस्ट्रॉल) और ट्राइग्लिसराइड्स को कंट्रोल करने और एचडीएल (गुड कोलेस्ट्रॉल) को बढ़ाने में भी मदद करती है। नियमित वेट ट्रेनिंग ब्लड वेसल्स की फंक्शनिंग भी इम्यूव करती है। इससे ब्लड फ्लो बेहतर होता है। साथ ही क्रॉनिक इंफ्लेमेशन को कम करने में भी मदद मिलती है। जिससे डायबिटीज और हार्ट डिजीज का रिस्क घटता है। सवाल- क्या वेट ट्रेनिंग का असर मेटल हेल्थ पर भी पड़ता है? जवाब- हां, साल 2018 में 'जामा साइकिएट्री' में 33 क्लिनिकल ट्रायल्स का एक मेटा-एनालिसिस पब्लिश हुआ। इसमें पाया गया कि रेगुलर वेट ट्रेनिंग डिप्रेशन के लक्षणों को कम करने में मदद करती है। मेनोपॉज के दौरान हार्मोनल बदलावों की वजह से कई महिलाओं को स्ट्रेस, एंजाइटी, मूड स्विंग्स और नींद की समस्या का



हैं। दरअसल, मेनोपॉज के बाद शरीर में एस्ट्रोजन हार्मोन का लेवल घटने लगता है। इससे मांसपेशियां और हड्डियां कमजोर हो जाती हैं। साथ ही वजन बढ़ने, नींद खराब होने और मूड स्विंग्स जैसी परेशानियों का रिस्क भी बढ़ जाता है। साल 2024, में 'नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन' में पब्लिश एक स्टडी में पाया गया कि मेनोपॉज के बाद सिर्फ प्रोटीन लेना पर्याप्त नहीं है। मांसपेशियों को मजबूत बनाए रखने के लिए वेट ट्रेनिंग जरूरी है। वहीं 'साइंस डायरेक्ट' में पब्लिश एक अन्य स्टडी के मुताबिक, रेजिस्टेंस ट्रेनिंग से हॉट फ्लैशेज की गंभीरता और उसकी फ्रीक्वेंसी कम होती है। साथ ही नींद और मूड भी बेहतर होते हैं। इसलिए आज मेनोपॉज के बाद महिलाओं की सेहत में वेट ट्रेनिंग की भूमिका पर बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि- वेट ट्रेनिंग मसल लॉस को रोकने में कैसे मदद करती है? महिलाओं के लिए कौन-सी वेट ट्रेनिंग एक्सरसाइज फायदेमंद है? विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- डॉ. मितुल गुप्ता, सीनियर कंसल्टेंट, आब्सर्टीव्स एंड गायनेकोलॉजी, को कून हॉस्पिटल, जयपुर जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- मेनोपॉज क्या है? जवाब- इसे पॉस्टर्स से समझिए- मेनोपॉज महिलाओं के जीवन का एक नेचुरल प्रोसेस है। यह तब होता है, जब पीरियड्स हमेशा के लिए बंद हो जाते हैं। आमतौर पर यह 45 से 55 साल की उम्र के बीच होता है। अगर किसी महिला को लगातार 12 महीनों तक पीरियड्स नहीं आते हैं, तो उसे मेनोपॉज माना जाता है। इस दौरान महिला का शरीर कई गंभीर बदलावों और उतार-चढ़ावों से गुजरता है। सवाल- मेनोपॉज के बाद महिलाओं के शरीर में क्या बदलाव आते हैं? जवाब- मेनोपॉज के बाद शरीर में एस्ट्रोजन हार्मोन का लेवल कम होने लगता है। इससे कई तरह के शारीरिक बदलाव और कुछ समस्याएं हो सकती हैं, जैसे कि- हड्डियां कमजोर होना। मसल्स स्ट्रेंथ कम होना। पेट और कमर के आसपास चर्बी बढ़ना। स्किन पतली और ड्राई होना। जोड़ों में दर्द। रात में ज्यादा पसीना। नींद से जुड़ी परेशानी। थकान और मूड स्विंग। हॉट फ्लैशेज। ये बदलाव हर महिला में अलग-अलग हो सकते हैं। कुछ महिलाओं में लक्षण हल्के होते हैं, जबकि कुछ में ज्यादा नजर आते हैं। सवाल- वेट ट्रेनिंग क्या होती है? जवाब- यह एक तरह की एक्सरसाइज है, जिसमें मसल्स को मजबूत बनाने के लिए वजन या किसी तरह के रेजिस्टेंस का इस्तेमाल किया जाता है। इसमें डंबल, बारबेल, केटलबेल या रेजिस्टेंस बैंड जैसे उपकरणों का इस्तेमाल किया जा सकता है। सवाल- मेनोपॉज के बाद महिलाओं के लिए वेट ट्रेनिंग की जरूरत क्यों



सामना करना पड़ता है। वेट ट्रेनिंग इन प्रॉब्लम्स को मैनेज करने में मदद करती है। एक्सरसाइज के दौरान ब्रेन एंडोर्फिन जैसे 'फील-गुड' गायने को लॉजी, को कून हॉस्पिटल, जयपुर जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- मेनोपॉज के बाद शरीर में क्या बदलाव आते हैं? जवाब- मेनोपॉज के बाद शरीर में एस्ट्रोजन हार्मोन का लेवल कम होने लगता है। इससे कई तरह के शारीरिक बदलाव और कुछ समस्याएं हो सकती हैं, जैसे कि- हड्डियां कमजोर होना। मसल्स स्ट्रेंथ कम होना। पेट और कमर के आसपास चर्बी बढ़ना। स्किन पतली और ड्राई होना। जोड़ों में दर्द। रात में ज्यादा पसीना। नींद से जुड़ी परेशानी। थकान और मूड स्विंग। हॉट फ्लैशेज। ये बदलाव हर महिला में अलग-अलग हो सकते हैं। कुछ महिलाओं में लक्षण हल्के होते हैं, जबकि कुछ में ज्यादा नजर आते हैं। सवाल- वेट ट्रेनिंग क्या होती है? जवाब- यह एक तरह की एक्सरसाइज है, जिसमें मसल्स को मजबूत बनाने के लिए वजन या किसी तरह के रेजिस्टेंस का इस्तेमाल किया जाता है। इसमें डंबल, बारबेल, केटलबेल या रेजिस्टेंस बैंड जैसे उपकरणों का इस्तेमाल किया जा सकता है। सवाल- मेनोपॉज के बाद महिलाओं के लिए वेट ट्रेनिंग की जरूरत क्यों



बातों का खास ख्याल रखें- हल्के वजन या बॉडी-वेट एक्सरसाइज से शुरूआत करें। पहले सही पोस्चर और तकनीक सीखें, फिर धीरे-धीरे वजन बढ़ाएं। सप्ताह में 2-3 दिन वेट ट्रेनिंग करना बेहतर है। वर्कआउट के बीच शरीर को रिकवरी का समय दें। पर्याप्त प्रोटीन, बैलेंस डाइट और अच्छी नींद जरूरी है। अगर कोई हेल्थ कंडीशन है तो पहले डॉक्टर से सलाह लें। मेनोपॉज के बाद जरूरी स्ट्रेंथ ट्रेनिंग स्क्वैट्स, लंजेंस, डेडलिफ्ट (सही गाइडेंस में) पुश-अप, शोल्डर प्रेस, चेस्ट प्रेस, रॉइंग एक्सरसाइज, स्टैप-अप। सवाल- क्या घर पर भी वेट ट्रेनिंग की जा सकती है? जवाब- हां, इसके लिए जिम जाना जरूरी नहीं है। आप अपनी क्षमता के अनुसार घर पर इन चीजों का इस्तेमाल कर सकती हैं- डंबल रेजिस्टेंस बैंड बॉडी-वेट एक्सरसाइज, जैसे स्क्वैट्स और लंजेंस। सवाल- महिलाओं को इन्हें में कितनी बार और कितनी देर वेट ट्रेनिंग करनी चाहिए? जवाब- डॉ. मितुल गुप्ता के मुताबिक, मेनोपॉज के बाद महिलाओं के लिए हफ्ते में 2-3 बार वेट ट्रेनिंग करना पर्याप्त है। हर सेशन 30-60 मिनट का रखा जा सकता है। सवाल- वेट ट्रेनिंग के साथ डाइट में क्या बदलाव जरूरी हैं? जवाब- मसल्स रिपेयर और मजबूती के लिए वेट ट्रेनिंग के साथ सही पोषण भी जरूरी है। इसलिए मेनोपॉज के बाद महिलाओं को संतुलित डाइट लेनी चाहिए। वेट ट्रेनिंग के साथ बदलें डाइट- पर्याप्त प्रोटीन लें। (दाल, सोया, अंडे, चिकन) कैल्शियम रिच फूड खाएं- दूध, दही, पनीर, रागी। स्विंग्स और नींद की समस्या का

जरूरी बाव- विटामिन डी सप्लीमेंट लें। नट्स, बीज, फैंटी फिश। हाइड्रेट करें। वेट ट्रेनिंग करते हुए इन कंडीशंस में बाव रतें- सावधानी- ऑस्टियोपोरोसिस, हार्ट डिजीज, हाई ब्लड प्रेशर, जोड़ों की हाल में सर्जरी या फ्रैक्चर, गंभीर आर्थराइटिस। ऐसे मामलों में एक्सरसाइज शुरू करने से पहले डॉक्टर या प्रशिक्षित फिटनेस एक्सपर्ट की सलाह लेना बेहतर होता है। सवाल-

कौन-से संकेत दिखने पर वेट ट्रेनिंग तुरंत रोक देनी चाहिए और डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए? जवाब- वेट ट्रेनिंग के दौरान हल्की थकान या मसल्स में खिंचाव सामान्य है। लेकिन कुछ लक्षण गंभीर समस्या का संकेत हो सकते हैं। ये संकेत दिखें तो न करें वेट ट्रेनिंग- सीने में दर्द, सांस फूलना, चक्कर आना, हार्ट बीट तेज हो, अचानक कमजोरी, जोड़ों में तेज दर्द। सवाल- क्या 50 या 60 साल की उम्र में भी पहली बार वेट ट्रेनिंग शुरू की जा सकती है? जवाब- हां, मांसपेशियां और हड्डियां किसी भी उम्र में एक्सरसाइज के प्रति पॉजिटिव रिसपॉन्स देती हैं। शुरूआत हमेशा हल्के वजन, रेजिस्टेंस बैंड या बॉडी-वेट एक्सरसाइज से करनी चाहिए।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक डॉ. दीपक अरोरा श्री आधुनिक प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजर्स प्रा.लि. 1- मिर्जापुर रोड नैनी प्रयागराज उ.प्र. 211008 से मुद्रित एवं एम20/25 एडीए कालोनी नैनी प्रयागराज 211008 (उ.प्र.)

से प्रकाशित सम्पादक डॉ.दीपक अरोरा

मो 0 नो 09415608783 RNI No. UPHIN/2012/41154

नोट- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी०आर०डी० एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।